सांध्य दैनिक 4PM

भगवान मूर्तियों में नहीं है। आपकी अनुभूति आपका ईश्वर, आत्मा आपका मंदिर है।
-चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक: 15 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 16 फरवरी, 2026

टी20 में भारत ने पाक पर लगाया जीत... 7 | बंगाल में विस चुनाव, बाहर आया... 3 | जल मिशन नहीं, कमीशन मिशन... 2

भारत के सबसे बड़े नटवरलाल की कहानी संजय शर्मा की जुबानी

मामा-भांजे ने हड़पे हजारों करोड़ और डकार तक नहीं ली

- » ईडी/सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियों की पकड़ से किलोमीटरों दूर
- » मुकेश अंबानी, केतन पारिख, कैरी पैकर और सुखराम के साथ बिजनेस डील के दस्तावेज
- » लेकिन ईडी/सीबीआई से दूर बजा रहे हैं चैन की बंसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। **4PM** के संपादक संजय शर्मा 6 महीनों की कड़ी मेहनत और हजारो दस्तावेजों को खंगालने के बाद आज भारत के कारपोरेट गलियारों में भ्रष्टाचार कर हजारो करोड़ रूपयों को डकार जाने वाले ऐसे मामा-भांजे के रहस्य से पर्दा उठा रहे हैं जिन्हें घोटलेबाजों का शहनंशाह भी कहा जाए तो कम हैं। यह कहानी है महेन्द्र नाहटा और उनके भांजे विनय मालू की।

एक ऐसा नेटवर्क जिसने भारत के टेलीकाम और निवेश जगत में अपनी गहरी उपस्थिति दर्ज कराई। और इस कहानी के केंद्र में कहीं न कहीं भारत के सबसे शक्तिशाली उद्योगपतियों में से एक मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाला वह दौर भी जुड़ता है जब भारत का टेलीकाम सेक्टर एक क्रांति के मुहाने पर खड़ा था। महेन्द्र नाहटा और विनय मालू की कहानी केवल दो नटवरलालों की कहानी नहीं है। यह उस दौर की कहानी है जब भारत की अर्थव्यवस्था बदल रही थी और कुछ लोग इस बदलाव के केंद्र में थे। यह कहानी यह भी बताती है कि कारपोरेट दुनिया में ताकत कैसे बनती है। और कैसे कायम रहती है। इनके काले चिट्ठे यदि लिखें जाएं तो हजारो पेज कम पड़ जाएंगें 1500 शब्दों में इनकी कहानी लिखना नामुमकिन हैं। यदि आप मामा भांजे के पूरे गणित को समझना चाहते है तो इस लिंक https://youtu.be/eBtMTin-EJQ?si=l}pVAjHHztiw-jjx पर जाकर संपादक संजय शर्मा के इस वीडियो को जरूर देखें।

विनय मालू | महेन्द्र नाहटा

मामा भांजे की कमाल की जोड़ी

- सुखराम भ्रष्टाचारों के राजा के साथ नाम आया
- सेसेक्स का अपराधी केतन पारिख के साथ नाम आया
- सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर रंजीत सिन्हा की डायरी में इनका नाम 98 बार आया
- मुकेश अंबानी ने इन्ही लोगों के जरिये एनडीटीवी की डील की और शेयर ट्रांसफर हुए।
- 2008-2009 के बीच हुए यूनीटेक टेलीकॉम घोटाला में भी इनका नाम आया।

मौन हैं सेबी के अधिकारी

राजीव रंजन सिंह
आर्थिक मामलों के जानकार

आर्थिक मामलों के जानकार राजीव रंजन सिंह कहते हैं कि यदि कोई एक हजार की चोरी करता है तो उसे पुलिस जेल में डाल देती है लेकिन हजारो करोड़ रूपये की चोरी करने वाले इन मामा भांजे पर कोई केस नहीं बनाता। यह लोग हर बार फ्राड करते हैं और थोड़ा सा जुर्माना लगा कर इनका मामला सेटल कर दिया जाता है। वह कहते हैं कि ताआज्जुब की बात है कि घोटालों की जद में आये तमाम भ्रष्टाचारी जेल गये। मुकदमें हुए लेकिन यह मामा-भांजे आज भी आजाद घूम रहे हैं कभी दुबई कभी लंदन जब चाहते हैं जहां चाहते हैं वहां जाते हैं।

अरबों की धनराशि दांव पर

1990 का दशक भारत की अर्थव्यवस्था के लिए उदारीकरण का दौर था। लाइसेंस खुल रहे थे निवेश आ रहा था और टेलीकॉम सेक्टर में भविष्य के अरबों रुपये दांव पर लगे थे। इसी दौर में हिमाचल की एक कंपनी एचएफसीएल अचानक सुर्खियों में आ गई। यह कंपनी केवल टेलीकाम उपकरण नहीं बना रही थी बल्कि वह उस भविष्य की नींव रख रही थी जिसमें मोबाइल फोन हर हाथ में होने वाला था। एचएफसीएल का उदय केवल कारोबारी सफलता की कहानी नहीं था। यह उस दौर का प्रतीक था जब बाजार सरकार और निवेशक तीनों एक नए आर्थिक ताने-बाने में जुड़ रहे थे।

कंपनी ने तेजी से पूंजी जुटाई, बड़े विदेशी निवेश आकर्षित किए और भारत के टेलीकाम विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी दौरान भारत में टेलीकाम लाइसेंस, शेयर ट्रांसफर निवेश संरचना और कॉरपोरेट गठजोड़ को लेकर कई सवाल भी उठे। कई कारोबारी घरानों के बीच साझेदारी और प्रतिस्पर्धा दोनों चल रही थीं। रिलांयस जैसे बड़े समूह टेलीकॉम सेक्टर में अपनी जगह बना रहे थे और इस पूरी प्रक्रिया में कई छोटे-बड़े कारोबारी नेटवर्क भी उभर रहे थे। महेन्द्र नाहटा और विनय मालू का नाम इसी कारोबारी नेटवर्क के संदर्भ में चर्चा में आया है। इन दोनों लोगों का कारोबारी विस्तार भारत से बाहर दुबई, लंदन और सिंगापुर तक फैला बताया जाता है। निवेश टेलीकाम, इंफ्रास्ट्रक्चर और अंतरराष्ट्रीय ट्रेडिंग। इन सभी क्षेत्रों में उनकी उपस्थिति ने उन्हें कारपोरेट भारत के प्रभावशाली खिलाड़ियों में शामिल कर दिया। यह कहानी केवल दो व्यक्तियों की नहीं है। यह उस सिस्टम की कहानी है जहां कारपोरेट ताकत, राजनीतिक माहौल और आर्थिक अवसर तीनों मिलकर एक ऐसा जाल बनाते हैं जिसमें कुछ नाम सुर्खियों में आते हैं और कुछ हमेशा पर्दे के पीछे रह कर चैन की बंसी बजाते रहते हैं और यह लोग महेन्द्र नाहटा और विनय मालू जैसे लोग होते हैं।

सुखराम से लेकर केतन पारिख तक

1990 से लेकर वर्ष 2000 तक भारत में जितनी भी भ्रष्टाचारी गतिविधिया हुई उसमें इन मामा भाजे का इन्वालमेंट सीधा बताया जा रहा है। वरिष्ठ पत्रकार राजीव रंजन सिंह कहते हैं कि 1987 में हिमाचल प्रदेश में एक कंपनी बनाई गयी एचसीएफएल और इसके डायरेक्टर बने महेन्द्र नाहटा। कंपनी टेलीकाम सेक्टर में काम करने के लिए बनाई गयी थी। हिमाचल में रजिस्ट्रेशन था। कंपनी बनने के 13 साल बाद कैरी पैकर एक हजार पचास करोड़ रूपये का सीधे निवेश कर 10 परसेंट कि हिस्सेदारी हासिल कर लेते हैं। सोचने की बात है कि जिस कपंनी की हैसियल 400 करोड़ रूपये भी नहीं थी। उसकी कंपनी में सीधे एक विदेशी ने हजारों करोड़ रूपये का निवेश किया।

संजय शर्मा, 4PM के संपादक

किसका वरदहस्त है मामा-भांजे पर

मामा-भांजे का काम करने का सेट पैर्टन हैं। यह लोग पहले कंपनी बनाते हैं। कंपनी में रैजूलेशन पास करते हैं पैसा लाने की। फिर यह विदेश से पैसा लाते हैं, फिर देश और उसके बाद बैंक के पास लोन लेने चले जाते हैं। यह लोग अपने पास से एक भी रूपया नहीं लगाते। इसके बाद अपनी प्रोमेटर कंपनी में पैसों को भेज देते हैं। यह कंपनियां सिंगापुर, हांगकांग आदि में होती है। जिस कंपनी के लिए इन्होंने निवेश अर्जित किया लोन लिया वह कंपनी खोखली हो जाती है। उसके बाद डायरेक्टर के पद से इस्तीफा दे देते हैं और अपने नीचे के व्यक्ति को डायरेक्टर बना कर बिठा देते है। और कपंनी बंद कर दिवालिया घोषित कर देते हैं।

पीएमओ में हिमाचल कैडर का अधिकारी और मुकेश अंबानी

सूत्रों की माने तो विनय मालू अक्सर पीएमओ में तैनात हिमाचल कैडर के एक अधिकारी का नाम लेकर कहते सुनाई दिये हैं कि उनकी मदद वहां से हो रही है कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। महेन्द्र नाहटा मुकेश अंबानी की कंपनी रिलांयस इंडस्ट्री में उच्च पद पर काम कर रहे हैं और यूपी उनके अधिकार क्षेत्र में हैं कहते हैं कि रिलांयस में नाहटा की मर्जी के बिना एक पत्ता भी नहीं हिल सकता। वरिष्ठ पत्रकार राजीव रंजन सिंह रहस्य की परतों से पर्दा हटाते हुए बताते हैं कि किस तरह से महेन्द्र नाहटा मुकेश अंबानी की आंख, नाक कान बने हुए हैं। वह कहते हैं कि इंफोटल नाम की कंपनी को 4जी का लाइसेंस मिलता है। यह कंपनी महेन्द्र नाहटा की कपंनी थी। इसके बाद इस कंपनी में पांच हजार करोड़ से ज्यादा की रकम मुकेश अंबानी डाल देते हैं। इससे महेन्द्र नाहटा के शेयर एक परसेंट और मुकेश अंबानी के शेयर कंपनी में 99 परसेंट तक पहुंच गये सीधे शब्दों में कहा जाए तो 4जी का लाइसेंस तो महेन्द्र नहाटा को मिलता है लेकिन बैक डोर से इसके मालिक मुकेश अंबानी बन जाते हैं।

मुकेश अंबानी

जल मिशन नहीं, कमीशन मिशन है : अखिलेश

» महोबा में पानी की टंकी फटने पर भड़के सपा मुखिया, बोले- यहां बुलडोजर नहीं चलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में महोबा में जल जीवन मिशन के तहत बनी पानी की टंकी फटने की घटना पर बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अखबार में छपी खबर को कोट करते हुए इसे भ्रष्टाचार का परिणाम बताया है. यह घटना ब्लॉक जैतपुर के ग्राम नगाराडांग में 4 फरवरी को हुई। जब टेस्टिंग के एक दिन बाद ही टंकी फट गई था।

बता दें ब्लॉक जैतपुर के ग्राम नगाराडांग में नमामि गंगे के तहत संचालित जल जीवन मिशन की हर घर नल से जल योजना में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है. वर्ष 2025 में बनाई गई पानी की टंकी 3 फरवरी को टेस्टिंग के लिए भरी गई थी। बताया गया कि 4 फरवरी को दोपहर करीब तीन बजे टंकी अचानक फट गई और हजारों लीटर पानी बहकर बर्बाद हो गया. घटना के बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निगरानी प्रक्रि या पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बीजेपी के भ्रष्टाचार का बोझ पानी की टंकी नहीं उठा पाई

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि महोबा में बीजेपी के भ्रष्टाचार का बोझ पानी की टंकी नहीं उठा पाई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यहां बुलडोजर नहीं चलेगा क्योंकि भ्रष्टाचार की पाइपलाइन महोबा से लखनऊ तक जलापूर्ति की जगह धनापूर्ति कर रही है। उन्होंने आगे लिखा कि यह जल मिशन नहीं बल्कि कमीशन मिशन है। उनके बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है और सरकार पर पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

मंत्री और विधायक में हो चुकी है कहासुनी

ग्राम प्रधान गायत्री ने टंकी फटने की शिकायत डीएम गजल भारद्वाज और एडीएम नमामि गंगे से की है उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण में बड़े स्तर पर सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत और प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के बीच भी योजना को लेकर कहासुनी की खबरें सामने आई हैं। मंत्री ने 30 दिन में सभी गांवों में जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, जिसके बाद काम में तेजी लाई गई थी।

मेक इन इंडिया कहां खो गया

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राफेल सौदे और अमेरिका पर बढ़ती आर्थिक निर्भरता को लेकर सरकार की मेक इन इंडिया नीति पर सवाल उठाए हैं, साथ ही उन्होंने एपस्टीन फाइल्स पर सीधी टिप्पणी से बचते हुए सोशल मीडिया के प्रभाव पर भी चिंता व्यक्त की।समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी एपस्टीन फाइल्स पर चर्चा नहीं करना चाहती और उन्होंने सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और भारत के अमेरिका के साथ आर्थिक संबंधों पर चिंता जताई। लखनऊ में मीडिया को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि हम एपस्टीन फाइल्स पर चर्चा नहीं करना चाहते। सोशल मीडिया एक बड़ी समस्या है। उन्होंने आगे कहा कि हम एपस्टीन फाइल्स पर चर्चा नहीं करना चाहते। सोशल मीडिया एक बड़ी समस्या है। एपस्टीन फाइल्स बहुत पहले बनाई गई होंगी, और इतने दिनों बाद सामने आईं। यादव ने घरेलू विनिर्माण और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई प्रमुख पहलों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि विदेशी बाजारों पर बढ़ती निर्भरता इन कार्यक्र मों को कमजोर कर सकती है। इससे पहले शुक्रवार को, भारतीय युवा कांग्रेस ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया और एपस्टीन फाइल्स में सामने आए आरोपों के मद्देनजर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस्तीफे की मांग की।

शांति और प्रगति पीडीए की नींव पर टिकी

अखिलेश यादव ने ''पीडीए का प्रेम प्रसार समारोह बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम लोगों के बीच भाईचारा तथा आपसी सहयोग को मजबूत करेगा। यादव ने 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान पिछड़े, दलितों और अल्पसंख्यकों समुदाय को साधने के लिए 'पीडीए शब्द गढ़ा था। उन्होंने कहा कि शांति और प्रगति पीडीए की नींव पर टिकी है, सामाजिक एकता सकारात्मक और प्रगतिशील राजनीति की सबसे बड़ी उपलब्धि है और इसीलिए हमने इसे पीडीए नाम दिया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पारंपरिक होली समारोहों से पहले पीडीए होली मिलन का आयोजन किया जा रहा है। विपक्ष की एकता के पिछले प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर और राम मनोहर लोहिया ने एक बार राजनीति को नयी दिशा देने के लिए मिलकर काम करने का प्रयास किया था, लेकिन परिस्थितियों और राजनीतिक माहौल ने उन्हें पर्याप्त समय नहीं दिया।

अभिनेता विजय की वजह से बटेंगे वोट: कार्ति चिदंबरम

बोले कांग्रेस सांसद- तीसरा मोर्चा बनेगा तो परिणाम पर पड़ेगा असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच, कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि अभिनेता से राजनेता बने और तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के प्रमुख विजय, राज्य में अपनी लोकप्रियता के कारण, सभी पार्टियों के बीच धर्मनिरपेक्ष रूप से वोटों को विभाजित कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इससे राजनीतिक परिदृश्य में एक नया तीसरा मोर्चा बन सकता है।

चिदंबरम ने विजय के मजबूत प्रशंसक आधार का जिक्र करते हुए कहा कि अभिनेता को जनता का भरपूर समर्थन प्राप्त है, जो चुनावी समर्थन में तब्दील हो सकता है। हालांकि, कार्ति चिदंबरम ने सवाल उठाया कि क्या यह चुनावी समर्थन अंतत: उन्हें विधानसभा चुनावों में सीटें दिलाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि विजय एक बहुत लोकप्रिय फिल्म स्टार हैं। उनका प्रशंसक आधार निश्चित रूप से बहुत मजबूत है। यह प्रशंसक आधार समर्थन आधार में बदल सकता है। समर्थन आधार संभावित रूप से वोट आधार में बदल सकता है। लेकिन क्या यह वोट आधार सीटों में तब्दील होगा, यह एक बड़ा सवाल है।चिदंबरम ने यह भी बताया कि अभिनेता ने तमिलनाडु की मौजूदा सरकार द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) और आगामी विधानसभा

चुनावों में अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (एआईएडीएमके) के साथ गठबंधन में शामिल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ किसी भी तरह के संबंध से इनकार कर दिया है। चिदंबरम ने कहा कि वह डीएमके मोर्चे में नहीं आ सकते। उन्होंने स्पष्ट रूप से दो राजनीतिक दलों को ऐसे बताया है जिनके साथ उनका किसी भी तरह का संबंध या गठबंधन नहीं हो सकता।

उन्होंने डीएमके और भाजपा का नाम लिया है। इसलिए उनके लिए ये दोनों मोर्चे संभव नहीं हैं। तो उन्हें केवल एक तीसरा मोर्चा ही चुनना होगा। मेरी राय में, वह धर्मनिरपेक्षता के आधार पर वोटों को बांटेंगे। यह बात हर जगह साफ है। विजय और कांग्रेस के बीच गठबंधन की संभावना पर चिदंबरम ने स्पष्ट किया कि पार्टी डीएमके के नेतृत्व वाले तमिलनाडु के इंडिया ब्लॉक और उसके गठबंधन के प्रति प्रतिबद्ध है।

आदिवासियों के खिलाफ चल रहा अघोषित युद्ध: वृंदा करात

» भाकपा की वरिष्ठ नेता का डबल इंजन सरकार पर सीधा प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उदयपुर। उदयपुर पहुंची भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की वरिष्ठ नेता वृंदा करात ने केंद्र की भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने आदिवासियों के खिलाफ अघोषित युद्ध छेड़ रखा है। वृंदा करात ने राजस्थान की डबल इंजन सरकार पर आरोप लगाया कि यहां आदिवासियों के खिलाफ अघोषित युद्ध चल रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रथम, द्वितीय और चतुर्थ श्रेणी की भर्तियों में आरक्षण नीति का सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है। संविदा और आउटसोर्सिंग के जरिये आदिवासियों को उनके अधिकारों से दूर किया जा रहा है। वहीं जितेंद्र चौधरी ने केंद्र सरकार के आंकड़ों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि देश में आदिवासियों की आबादी 8.6 प्रतिशत है, लेकिन बजट में उनका हिस्सा केवल 2.58 प्रतिशत है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले से मंजूर बजट भी पूरा खर्च नहीं किया गया। उन्होंने मांग की कि आने वाली जनगणना में आदिवासियों की अलग पहचान और उनकी आस्था के लिए अलग कॉलम रखा जाए। रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि मनरेगा की जगह लाई गई नई व्यवस्था कम बजट के कारण 125 दिन का रोजगार देने में सफल नहीं होगी। उन्होंने जबरन विस्थापन का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना था कि उदयपुर, डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिलों में परमाणु बिजली घर, बांध और सड़क परियोजनाओं के नाम पर बिना सही मुआवजा और ग्राम सभा की मंजूरी के आदिवासियों को हटाया जा रहा है।

स्टालिन ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए कसी कमर

» सीएम ने कार्यकर्ताओं को दिया एक व्यक्ति-50 वोट का अचूक फॉर्मूला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के विजयी इतिहास पर विचार किया और आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत की उम्मीद जताई। तिरुपथुर में पार्टी के बूथ एजेंटों के सम्मेलन में सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने डीएमके कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों के लिए लगन से काम करने का आग्रह किया।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की योजनाओं और नीतियों के बारे में जनता को सूचित करने और 200 विधानसभा क्षेत्रों में जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक पदाधिकारी को कम से कम 50 वोट दिलाने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2019 से डीएमके लगातार जीत हासिल कर रही है। मैं पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों में भी सफलता सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ काम करने का आग्रह करता हूं। यदि प्रत्येक पदाधिकारी कम से कम 50 वोट सुनिश्चित करे, तो पार्टी 200 विधानसभा क्षेत्रों में जीत हासिल कर सकती है। सरकार की उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने के लिए घर-घर जाएं

और चाय की दुकानों पर भी उन पर चर्चा करें।मुख्यमंत्री ने जनता के लिए महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों की सहायता योजना के तहत 1.35 करोड़ महिला लाभार्थियों को 5,000 रुपये दिए जा चुके हैं, और डीएमके सरकार जनता के लिए आवश्यक कल्याणकारी उपाय जारी रखेगी। इससे पहले आज, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने राज्य सरकार की नीतियों के सकारात्मक प्रभाव पर संतोष व्यक्त किया और आगामी विधानसभा चुनावों से पहले द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) की जीत का विश्वास जताया। यही है द्रविड़ मॉडल का गौरव! राज्य विधानसभा चुनाव नजदीक आने के मद्देनजर, डीएमके अपनी उत्तर जोन इकाई के तहत जोलारपेट्टई के पास मंडलावड़ी में मेरा बूथ, जीत का बूथ शीर्षक से बूथ स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन का आयोजन कर रही है।

रामविलास पासवान के अपमान पर घमासान

» लोजपा ने राजद पर बोला हमला बिहार विधानसभा में हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में स्वास्थ्य, परिवहन समेत कई विभाग के बजट पर वाद विवाद होगा। भाजपा और जदयू नेता सदन पहुंचते हुए लैंड फॉर जॉब केस की बात लेकर लालू परिवार पर निशाना साधने लगे। वहीं विपक्ष ने बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश सरकार के खिलाफ हमला बोला। वहीं सदन की कार्यवाही शुरू होते हुए लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के विधायक दल के नेता राजू तिवारी ने राजद से मांफी मांगने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि हमारे दल के संस्थापन राम विलास पासवान के बारे में राजद वालों ने गलत टिप्पणी की। इसलिए यह लोग माफी मांगे। इसके बाद राजद और लोजपा रामविलास के विधायक हंगामा कर रहे हैं। दोनो ओर से हंगामा हो रहा है। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने दो दलों के विधायकों से शांति बनाए रखने की अपील की। राजू तिवारी हाथ में पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष हंगामा कर रहे विधायकों को समझा रहे हैं लेकिन वह मान नहीं रहे हैं। बिहार विधान सभा में आज विपक्ष के नेताओं ने फिर से नीतीश सरकार को घेरने की कोशिश की। नीट छात्रा मर्डर केस, फुलवारी शरीफ में छात्रा की संदिग्ध मौत समेत अन्य मामलों पर राजद विधायकों ने सरकार पर हमला बोला। वहीं भाजपा नेताओं ने लैंड फॉर जॉब केस को लेकर लालू परिवार तंज कसा है। इधर, सदन में आज प्रश्नोत्तर काल के बाद ध्यानाकर्षण सूचनाएं में देवेश कांत सिंह, मंजीत कुमार सिंह समेत पांच विधायकों के सवाल का जवाब कृषि विभाग के मंत्री देंगे। इसके बाद ऊर्जा विभाग के प्रभारी मंत्री कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 395 के तहर साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के वित्तीय वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 के वार्षिक प्रतिवेदनों की एक एक प्रति सभा की मेज पर रखेंगे।

बंगाल में विस चुनाव, बाहर आया बाबरी मस्जिद का दांव

बंगाल से लकर उत्तर प्रदेश तक चर्चा

हुमायूं कबीर के ऐलान से सियासी घमासान

- भाजपा के निशाने पर आई टीमएमसी
- कबीर ने मुर्शिदाबाद में मस्जिद के निर्माण का शुभारंभ किया

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में इस वर्ष विस चुनाव हैं। वहां पर टीमएसी चौथी बार सरकार बनाना चाहती है। जबकि भाजपा सत्ता पाने को आतुर है। पक्ष व विपक्ष सब अपने-अपने दावे कर रहे हैं। बीजेपी अपने हिंदुत्व के एजेंडे को धार दे रही है तो टीएमसी मुसलमानों को अपने से नाराज नहीं होने देना चाहती है। हालांकि इसबार टीएमसी के नेता हुमायूं कबीर के बाहर होने से टीएमसी को नुकसान हो सकता है। इस बीच कबीर ने मुर्शीदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने के ऐलान से जहां ममता बनर्जी मुश्किल में पड़ गई हैं वहीं बीजेपी इस मुद्दे पर टीमएसी को घेरा। इस मामले को लेकर यूपी से बंगाल तक बावल मचा गया है।

यूपी के नेता भी टीएमसी व कबीर पर हमलावर हो गए हैं। इधर ममता बनर्जी मंदिरों पर भी मेहरबान होकर भाजपा को चुनौती दे रहीं हैं। बता दें जनउन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद नामक एक नई मस्जिद का निर्माण शुरू किया है, जिसे दो साल में पूरा करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने मस्जिद निर्माण का विरोध करने वालों को सत्ता से बेदखल करने की चेतावनी दी और इस परियोजना में एक अस्पताल व विश्वविद्यालय बनाने की भी घोषणा की।

वहीं जन उन्नयन पार्टी (जेयूपी) के प्रमुख हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद के रेजिनगर में बनने वाली नई मस्जिद के निर्माण का शुभारंभ किया। इस मस्जिद का नाम बाबरी मस्जिद रखा जाएगा और उन्होंने घोषणा की कि यह परियोजना अगले दो वर्षों में पूरी हो जाएगी। उन्होंने अपने साथ खड़े लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।
मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में प्रस्तावित नई मस्जिद का निर्माण आज से शुरू होगा। जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर इस मस्जिद का नाम बाबरी मस्जिद रखना चाहते हैं। जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर का धन्यवाद करता हूं। आज इतने सारे लोग मेरे साथ खड़े हैं, मैं उन सभी का आभारी हूं। जो चाहें मेरा विरोध करें। मुझे उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में बाबरी मस्जिद का ढांचा पूरा हो जाएगा। मंदिर बनाना ठीक है, लेकिन अगर कोई मुसलमान मस्जिद बनाना चाहता है, तो लोग इसका विरोध कर रहे हैं। हम उन्हें सत्ता से बेदखल कर देंगे। इससे पहले जनवरी में, जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद के निर्माण के साथ-साथ एक अस्पताल और एक विश्वविद्यालय के निर्माण की पुष्टि की थी।

किसी लुटेरे के नाम पर मस्जिद का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : अनिल राजभर

उत्तर प्रदेश के मंत्री अनिल राजभर ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त करते हुए कहा कि किसी लुटेरे के नाम पर मस्जिद का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि नई मस्जिद के निर्माण पर कोई आपत्ति नहीं है। राजभर ने कहा कि मस्जिद बनाने पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन अगर कोई किसी लुटेरे के नाम पर मस्जिद बनाने की कोशिश करता है, या अगर कोई भारत विरोधी मानसिकता वाला व्यक्ति किसी हमलावर के नाम पर ऐसा करता है, तो इसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए, और पश्चिम बंगाल की जनता भी इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। यह देश भी ऐसी मानसिकता को बर्दाश्त नहीं करेगा। यह बहुत बुरा है।

मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बन भी गई तो टिक नहीं पाएगी : केशव

मुर्शिदाबाद में नई बाबरी मस्जिद के निर्माण को लेकर चल रही तीखी बहस के बीच, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बाबर के नाम पर मस्जिद के निर्माण का विरोध करते हुए कहा कि यह मस्जिद नहीं बनेगी और अगर बन भी गई तो टिक नहीं पाएगी। बात करते हुए मौर्य ने जोर देकर कहा कि भारत भगवान राम, भगवान कृष्ण और भगवान शिव के भक्तों का देश है, बाबर के भक्तों का नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मस्जिद के निर्माण पर कोई आपत्ति नहीं है, विरोध तो नाम को लेकर है। मौर्य ने कहा कि यह (मस्जिद) नहीं बनेगी और अगर बन भी गई तो टिक नहीं पाएगी। यह भगवान राम, भगवान कृष्ण और भगवान शिव के भक्तों का देश है, बाबर के भक्तों का नहीं। हमें मस्जिद के निर्माण पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन अगर बाबर के नाम पर मस्जिद बनी तो हम इसका पुरजोर विरोध करेंगे।

मुस्लिम समुदाय के साथ संबंधों को मजबूत करना मकसद

उन्होंने इसका उद्देश्य मुस्लिम समुदाय के साथ संबंधों को मजबूत करना था। उन्होंने कहा कि यहां बाबरी मस्जिद बनेगी, अस्पताल बनेगा, विश्वविद्यालय बनेगा और लोगों के लाभ के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बात करते हुए कबीर ने मस्जिद के निर्माण में विभिन्न जातियों के लोगों की भागीदारी पर जोर दिया। सभी जातियों के लोग यहां अपना सामान लेकर आए हैं और व्यापार कर रहे हैं। मैंने किसी को नहीं रोका है। कबीर ने कहा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि मस्जिद बनने के बाद हर शुक्रवार को यहां बिना किसी रुकावट के नमाज अदा की जाएगी।

कयामत तक बाबरी ढांचे का पुनर्निर्माण नहीं होगा : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक धार्मिक सभा को संबोधित करते हुए बाबरी मस्जिद मुद्दे पर अपने कड़े रुख को दोहराया और कहा कि बाबरी मस्जिद का पुनर्निर्माण कभी नहीं किया जाएगा, यहां तक कि कयामत तक भी नहीं। श्री राम जानकी मंदिर में 10वें श्री हनुमान विराट महायज्ञ और श्री रामार्चा पूजन के दौरान बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार कथनी और करनी में विश्वास रखती है। योगी ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि यह सरकार जो कहती है वही करती है और जो करती है वही कहती है। हमने कहा था, राम लल्ला, हम आएंगे और वहां मंदिर बनाएंगे, और हमने ठीक वैसा ही किया। बाबरी ढांचे पर अपने रुख को दोहराते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम आज फिर कह रहे हैं, कयामत के दिन तक। और चूंकि वह दिन कभी नहीं आएगा, इसलिए बाबरी ढांचे का पुनर्निर्माण कभी नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि बाबरी ढांचे के पुनर्निर्माण की उम्मीद रखने वाले भ्रम में जी रहे हैं। मुख्यमंत्री ने उन लोगों पर भी निशाना साधा जिन्हें उन्होंने अवसरवादी बताया और कहा कि कुछ लोग भगवान राम को केवल संकट के समय ही याद करते हैं और बाकी समय उन्हें भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को भगवान राम पहले ही भूल चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनके अनुसार, अतीत में राम भक्तों पर गोली चलाने वाले या धार्मिक कार्यों में बाधा डालने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। कानून का सम्मान करने की अपील करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नागरिकों को कयामत के दिन का इंतजार करने के बजाय भारत के कानूनी ढांचे के अनुसार जीवन जीने पर ध्यान देना चाहिए। योगी ने कहा कि इस देश के कानून का पालन करें। ऐसा करने से आपको लाभ होगा। कानून तोड़ने का रास्ता सीधे सजा की ओर ले जाता है। कानून तोड़कर जन्नत का सपना देखने वाला कोई भी व्यक्ति भ्रम में जी रहा है। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन को भारत की सांस्कृतिक विरासत और सनातन परंपराओं से भी जोड़ा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 नवंबर को अयोध्या यात्रा का जिक्र किया, जब राम मंदिर पर भव्य भगवा झंडा फहराया गया था। उन्होंने कहा कि भगवा झंडा भारत के गौरव और गौरवशाली परंपराओं का प्रतीक बना रहेगा और उन्हें आगे बढ़ाता रहेगा।

जन उन्नयन पार्टी पर एफआईआर

इससे पहले, बाबरी मस्जिद के निर्माण को लेकर जन उन्नयन पार्टी (जेयूपी) के प्रमुख हुमायूं कबीर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। बंगाल में टीएमसी भी इस पर संभल कर बोल रही है। जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर ने गुरुवार को विश्वास जताया कि मुर्शिदाबाद के रेजिनगर में नई बाबरी मस्जिद का निर्माण होगा, और कहा कि मुस्लिम समुदाय इसके निर्माण का समर्थन करता है।

हुमायूं कबीर टीएमसी का प्लान बी

पश्चिम बंगाल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष और पार्टी सांसद सामिक भट्टाचार्य ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला। यह हमला तब हुआ जब टीएमसी के पूर्व विधायक हुमायूं कबीर ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर 2024 के चुनाव में अपने नफरत भरे भाषण को भड़काने का आरोप लगाया। भट्टाचार्य ने टीएमसी और जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर दोनों पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया और इसे टीएमसी की प्लान बी बताया। उन्होंने कहा कि यह तृणमूल कांग्रेस की प्लान बी है। हुमायूं टीएमसी है और टीएमसी हुमायूं है। ममता बनर्जी कट्टरपंथियों के आगे झुकती हैं। वह समाज को धार्मिक आधार पर बांटना चाहती हैं और फिर चुनाव कराना चाहती हैं। भाजपा नेता अमित मालवीय ने पूर्व टीएमसी नेता हुमायूं कबीर के इस दावे की आलोचना की कि ममता बनर्जी ने उन्हें 2024 में नफरत फैलाने वाला भाषण देने के लिए उकसाया था। मालवीय ने नफरत फैलाने वाले भाषण से धमकियों और फिर राजनीतिक प्रोत्साहन के दावे तक बात पहुंचने की कड़ी निंदा की। एक्स पर एक पोस्ट में मालवीय ने मुर्शिदाबाद में एक कार्यक्रम में कबीर द्वारा दिए गए बयान का

हवाला देते हुए हिंदुओं के खिलाफ उनके नफरत भरे भाषण की आलोचना की। मालवीय ने लिखा, ममता बनर्जी ने मुझे यूसुफ पठान की जीत सुनिश्चित करने के लिए हिंदुओं के खिलाफ नफरत भरे भाषण देने के लिए कहा था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शब्दों को ध्यान में रखते हुए, मैंने अपने हिंदू भाइयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई। मैं अपने उस बयान के लिए तहे दिल से माफी मांगता हूं। हुमायूं कबीर कभी भी जानबूझकर ऐसा कुछ नहीं कहेंगे। जब गुस्सा शांत हो जाएगा, तो आप समझ जाएंगे कि आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं। 1 मई 2024 को दिए गए बयानों के लिए मुझे खेद है। कई हिंदू मानते हैं कि मैं हिंदुओं से नफरत करता हूं, लेकिन 63 साल की उम्र में, 42 साल के राजनीतिक अनुभव के साथ, मैंने कभी ऐसा कुछ नहीं किया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महिला सशक्तीकरण की बातें हैं बातों का क्या

पिछले दस- बारह वर्षों में महिला सशक्तीकरण की बातें खूब हुई हैं। पर हालात उतने नहीं सुधरे जितने के दावे किए जा रहे थे। हालांकि भारत में महिलाएं हर क्षेत्र में बढ़चढ़ कर भाग ले रही हैं। पर सेना व न्यायिक सेवा उनकी संख्या सीमित है। उनकी भागीदारी और बढ़ाना आवश्यक है। उनकी मात्रा बढ़ने महिला सरोकारों का संरक्षण और बढ़ेगा। कानूनी पेशे में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए स्कूल-कॉलेज स्तर पर 'लीगल अवेयरनेस क्लब' बनाए जाएं। जहां लड़कियां कानून को करियर के रूप में समझ सकें। महिला छात्रों के लिए विशेष इंटर्नशिप व कोर्ट विजिट कार्यक्रम शुरू हों, जिससे वे व्यावहारिक वातावरण से जुड़ सकें। कानून फर्मों और न्यायालयों में सुरक्षित कार्यस्थल, जेंडर-न्यूट्रल नीतियां और मेंटोरशिप सेल अनिवार्य किए जाएं। जब अवसर, सुरक्षा और मार्गदर्शन तीनों मिलेंगे, तब कानूनी क्षेत्र में महिलाओं की उपस्थिति स्वाभाविक रूप से मजबूत और प्रभावी होगी। कानूनी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी तभी बढ़ेगी जब देश में लैंगिक समानता ही सर्वोपरि होगी।

आज भी कई गांवों में महिलाओं को पढ़ाई करने पर रोका जाता हैं, जिससे महिलाओं में हुनर और कला होने के बावजूद पीछे रह जाती हैं। अगर महिलाओं को पढ़ने का अधिकार मिलेगा तभी तो वे आगे आकर वकील और जज बन सकेंगी। कानूनी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए समान अवसर, सुरक्षित कार्यस्थल और लैंगिक संवेदनशील वातावरण आवश्यक है। विधि महाविद्यालयों में छात्रवृत्ति, मेंटरशिप और इंटर्नशिप अवसर बढ़ाए जाएं। भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और आरक्षण लागू हो। मातृत्व-अनुकूल नीतियां, लचीला कार्यसमय तथा नेतृत्व पदों पर महिलाओं को प्रोत्साहन दिया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी जागरूकता अभियान भी उनकी भागीदारी बढ़ा सकते हैं। महिलाओं की कानूनी क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने के लिए लॉ शिक्षा में प्रोत्साहन देना चाहिए। सुरक्षित कार्यस्थल और सरकारी सहयोग भी आवश्यक हैं। छात्रवृत्ति, इंटर्नशिप, बार काउंसिल में आरक्षण, उच्च पदों जैसे जज आदि में समान अवसर और जागरूकता कार्यक्रम उनके लिए आसान और सुरक्षित मार्ग बनाते हैं। कानूनी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सुरक्षित, प्रोत्साहनपूर्ण एवं समान अवसर वाला वातावरण आवश्यक है। विधि महाविद्यालयों में छात्रवृत्ति, मेंटरशिप और इंटर्नशिप के विशेष अवसर महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यस्थल पर लैंगिक संवेदनशीलता, लचीले कार्य समय व सुरक्षित ढांचे से उनकी निरंतरता बढ़ती है।

कानूनी पेशे में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए स्कूल-कॉलेज स्तर पर 'लीगल अवेयरनेस क्लब' बनाए जाएं। जहां लड़कियां कानून को करियर के रूप में समझ सकें। महिला छात्रों के लिए विशेष इंटर्नशिप व कोर्ट विजिट कार्यक्रम शुरू हों, जिससे वे व्यावहारिक वातावरण से जुड़ सकें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पेड़ों को जिंदा रखने की हरी-भरी तकनीक

रेणु जैन

बेशक, हरियाली खुदा की सबसे बड़ी नेमतों में से एक है। इसी से जीवन में आशा, उमंग और ताजगी जैसे भाव जागते हैं। सड़क चौड़ीकरण, हाईवे निर्माण या विकास की किसी दूसरी परियोजनाओं के लिए जब पेड़ रुकावट बन जाते हैं तो उन्हें काटने का दर्द अब हर नागरिक को समझ में आने लगा है। तमिलनाडु के कोयंबटूर शहर के लोगों को तब बहुत दुख हुआ जब सड़क चौड़ीकरण की वजह से 7,600 पेड़ों को खत्म कर दिया था। यह दुख इतना गहरा था कि वहां की कोयंबटूर की जनता ने तय कर लिया कि जब भी कोई ऐसी विकास परियोजना लागू होगी तो जद में आ रहे सारे पेड़ों को स्कूल, पार्क, मंदिर परिसर या किसी ग्रीन बफर जोन में स्थानांतरित किया जाएगा। फलत: कुछ ही सालों में 5,000 पेड़ स्थानांतरित किए गए। सुखद परिणाम यह आया कि इनमें 85 फीसद पेड़ लहलहा रहे हैं यानी पेड़ों को नई जगह रास आ गई है।

एक स्वचेतना अभियान यह भी सफल हो रहा कि लोगों ने अपने लिए एक नियम बनाया कि हर कटने वाले पेड़ के बदले लोग दस पौधे लगा रहे तथा उसकी देखभाल का जिम्मा भी खुद ही ले रहे। इसी तरह पेड़ों को बचाने के कई छोटे-छोटे ही सही अभियान में लोगों की रुचि बढ़ती जा रही। पेड़ों के कटने से दुखी हैदराबाद के रामचंद्र अप्पारी ने भी ट्री ट्रांसलोकेटिंग तकनीक का इस्तेमाल किया तथा इसी तकनीक से वे हैदराबाद के करीब पांच हजार पेड़ों को नई जगह दे चुके हैं। उनकी कंपनी ग्रीन मॉर्निंग हॉर्टिकल्चर सन 2010 से काम कर रही है। वे कहते हैं वर्ष 2008 में हैदराबाद की सड़कों को चौड़ी करने के लिए पेड़ कटने लगे तब उन्हें बहुत दुख हुआ। तब ऑस्ट्रेलिया में रह रहे अपने दोस्त से पेड़ों को स्थानांतरित किए जाने के उपायों पर पूछा। बस तभी से अब अपनी कंपनी के मार्फत सात हजार से ज्यादा पेड़ों को नया जीवन दे चुके हैं। दरअसल, एक पेड़ को शिफ्ट करने की लागत दस हजार रुपये से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक आती है। वर्ष 2010 में स्थापित उनकी कंपनी ग्रीन मॉर्निंग हॉर्टिकल्चर का टर्न ओवर लगातार बढ़ रहा है।

वे कहते हैं हर शहर में प्रशासन को पेड़ों को स्थानांतरित करने के टेंडर निकालने चाहिए तथा इस तकनीक को बढ़ाना चाहिए। कम होते पेड़ों के लिए यह तकनीक वरदान साबित होगी। हैदराबाद के ही वट फाउंडेशन के प्रमुख पेडि रेड्डी वर्ष 2010 से पेड़ बचाने का काम कर रहे हैं। पेड़ों के प्रति इतना लगाव है कि अब तक करीब 2200

पेड़ों को नया जीवन दे चुके हैं। नेचर जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार मानव सभ्यता की शुरुआत से मौजूदा पेड़ों की संख्या में अब तक 46 फीसदी की कमी आ चुकी है। दुनियाभर में हर साल दस अरब पेड़ काटे जा रहे हैं जबकि हर साल सिर्फ पांच अरब पेड़ ही लगाए जा रहे है।

अकेले भारत में दस लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फैले जंगल कट रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग तथा प्रदूषण की मार झेलते शहरों के लिए पेड़ों की कमी भी जिम्मेदार है। हमारे शास्त्रों में भी लिखा गया है कि एक पेड़ लगाना सौ गायों का दान देने के समान है। पद्मपुराण में जिक्र है कि जलाशय के निकट पीपल का पेड़ लगाने से व्यक्ति को सैकड़ों यज्ञों के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि पेड़ों की कतार धूल मिट्टी को 75 फीसद तक कम कर देती है और 50 फीसदी तक शोर को कम करती है। जो इलाका पेड़ों से घिरा होता है वह दूसरे दूसरे इलाकों की तुलना में 9 डिग्री ठंडा रहता है। वहां का एक पेड़ इतनी ठंडक पैदा करता है जितना एक एसी दस कमरों में 20 घंटों तक चलने पर करता है। कम होते पेड़ों की वजह से कई दुष्प्रभाव होते हैं, जिसमें प्राकृतिक बाधाएं भी शामिल हैं। वनों की कटाई की वजह से भूमि का क्षरण होता है क्योंकि वृक्ष पहाड़ियों की सतह को बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वनों के विनाश के कारण वन्यजीव खत्म हो रहे हैं। पेड़ों की कई प्रजातियां लुप्त होने की कगार पर हैं तथा कुछ तो लुप्त हो गई हैं। वनों की कटाई से वैश्विक तापमान में वृद्धि होती है। बारिश भी अनियमित हो जाती है। इन सबके कारण 'ग्लोबल वार्मिंग' में इजाफा होता है। रेगिस्तान फैल रहा है। नदियों का पानी उथला कम, गहरा तथा प्रदूषित हो रहा है क्योंकि उनके किनारों और पहाड़ों पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है।

जंगल के लिए आदिवासियों का अस्तित्व आवश्यक है। जंगल का उपयोग कैसे करना है आदिवासियों को इसकी पूरी जानकारी रहती है क्योंकि वन संरक्षण के प्रति उनके मन में गहरा सम्मान होता है। पौधारोपण की कमी के कारण इस अनमोल प्राकृतिक संपत्ति का तेजी से क्षरण हो रहा है, जो जीवन और पर्यावरण के संतुलन को खराब कर रहा है। जंगल की कटाई के कारण जंगली जानवर गांवों में शरण ले रहे हैं। जोधपुर के खेजडली गांव में 230 वर्ष पूर्व 363 लोगों ने पेड़ों को बचाने के लिए अपनी जान तक दे दी थी।

सोशल मीडिया के मोहपाश से मुक्ति की जरूरत

अविजित पाठक

ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया में हमारी बढ़ती सक्रियता में सब कुछ ठीक नहीं है -खासकर, जिस प्रकार फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म के प्रति आकर्षण हमारे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है उनके बड़े होने की प्रक्रिया, सामाजिक मेलजोल, शिक्षा और आभासी दुनिया से जुड़ने के उनके ढंग पर। क्या यही वजह है कि ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है, और कई यूरोपीय देश भी इसी राह पर हैं? भारत में भी, 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने को लेकर विचार जोर पकड़ने लगा है।

जरा कल्पना करें कि आपके बच्चे पर क्या गुजरेगी जब आप उससे कहें कि कुछ दिन के लिए वह स्मार्टफोन का इस्तेमाल न करे, और इसकी बजाय ध्यान केंद्रित कर पढ़ाई करने या अपने दोस्तों व प्रियजनों के साथ सीधे, आमने-सामने बात करें। जब मैं 16, 14 और 12 वर्षीय उन तीन बहनों के भाग्य के बारे में सोचता हूं, जिन्होंने गाजियाबाद की एक हाउसिंग सोसाइटी में अपने अपार्टमेंट की नौवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी, तो मुझे सच में डर लगता है। खबरों के मुताबिक, परिवार में कलह रहती थी, और सबसे विशेष बात, पिता अपनी तीनों बेटियों की सोशल मीडिया और टास्क-बेस्ड ऑनलाइन कोरियन गेम्स की लत से खुश नहीं थे। ऐसा लगता है कि वे तीनों यह झटका बर्दाश्त नहीं कर सकीं और उन्होंने अपनी जान लेने का फैसला किया। इन दिनों मेरा यह भरोसा पुख्ता होता जा रहा है कि तकनीक दुधारी तलवार है। मसलन, स्मार्टफोन जैसे उपकरण के बारे में सोचिए। यह जादुई है। यह किसी बच्चे या किशोरवय को दें। वह तुरंत पूरी दुनिया से जुड़ जाता है, फिल्म देखेगा, गाने सुनेगा, वीडियो गेम खेलेगा, किताब पढ़ेगा, रील और वीडियो बनाएगा, मैसेज भेजेगा और अपने ढंग से फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप का इस्तेमाल करेगा।

यह तकनीकजदा स्मार्टनेस उन्हें प्रभावित करेगी, लेकिन सच तो यह है कि स्मार्टफोन की यह लत उनसे कुछ जरूरी चीज भी छीन लेती है। जितना ज्यादा वे स्क्रीन की लत में फंसते जाएंगे उतना ही असल दुनिया से दूर होते जाएंगे; जितना ज्यादा ऑनलाइन गेम खेलेंगे, उतने ही अकेले पड़ते जाएंगे, क्योंकि खुली जगह में अपने दोस्तों के साथ फुटबॉल या क्रिकेट खेलने से परहेज करने लगते हैं वे जितना ज्यादा स्क्रॉल करेंगे, उतना ही ध्यान केंद्रित करने की क्षमता घटती चली जाएगी और सबसे बढ़कर, अपने वीडियो वायरल करने में वे जितना ज्यादा समय खपाते हैं, उनके पास किताब को छूने, पढ़ने, महसूस करने, विश्लेषण करने और अनुभव करने के लिए उतना ही कम समय बचता है। यही विरोधाभास बताता है कि सोशल मीडिया उपयोग ने बच्चों की सेहत पर असर डालना शुरू कर दिया है, उनकी व्यग्रता बढ़ा दी है, अवसाद पैदा कर दिया और उनके आत्म-सम्मान को चोट पहुंचाई है।

अमेरिकी सामाजिक ज्ञानमनोवैज्ञानिक जोनाथन हैड्ट ने सोचने पर मजबूर कर देने वाली अपनी किताब द एंक्सियस जेनरेशन में इस त्रासदी का विश्लेषण किया है। जैसा कि हैड्ट का तर्क है कि डिजिटल युग में पैरेंट्स द्वारा बच्चों पर ध्यान कम दिए जाने की वजह से, लत के समान और परस्पर होड़ करवाने वाले सोशल मीडिया तक उनकी पहुंच बिना किसी रोक-टोक हो गई है। वहीं, इसी प्रकार, असल दुनिया में ओवर-पैरेंटिंग की प्रवृत्ति (हर वक्त बच्चे के पीछे पड़े रहना) हमारे बच्चों की सामान्य विकास प्रक्रिया रोक रही है। यह देखकर दुख होता है कि बचपन अब 'खेल आधारित' नहीं रहा; 'फोन आधारित' बन गया है। इसलिए, कोई हैरानी नहीं कि स्मार्टफोन हमारे बच्चों को उनके ठीक इर्द-गिर्द के माहौल से दूर करता जा रहा है और असल जिंदगी की दोस्ती की जगह सतही ऑनलाइन चैट ले रही है। भारत में इस संकट की गंभीरता को समझें — शिक्षा के स्तर की वार्षिक रिपोर्ट (2024) के अनुसार, हमारे 76 प्रतिशत बच्चे (14-16 साल समूह) सोशल मीडिया तक पहुंच करने के लिए स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं। इतना ही भयावह है जोखिमजदा कच्चे दिमागों पर कंटेंट क्रिएटर्स या यू-ट्यूब 'इन्फ्लुएंसर' का प्रभाव।

एक स्थिति की कल्पना करें आपका बच्चा तब तक सो नहीं पाता जब तक वह हर रात किसी मशहूर 'इन्फ्लुएंसर' की मनगढ़ंत कहानियां न सुन ले — उत्तराखंड के एक छोटे से शहर का एक नौजवान जिसके 31 मिलियन से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं और वह अपनी फैंसी कारों— मर्सिडीज-बेंज जी-वैगन, पोर्शे 718 बॉक्सटर और टोयोटा फॉर्च्यूनर लेजेंडर -का गर्वपूर्ण प्रदर्शन करता रहता है! देखने वाले युवा को इस चकाचौंध भरी जीवनशैली से अपनी नाकाबिलियत और आत्म-सम्मान की कमी महसूस हो सकती है। जब इस किस्म का कोई 'इन्फ्लुएंसर' कच्चे मन वाले किसी किशोरवय की उम्मीदों को आकार देना शुरू कर देता है, तो वह यह मानने लग सकता है कि अगर कोई हर सुबह अपने परिवार के क्रिया-कलाप सोशल मीडिया पर डालकर इतना कमा सकता है, तो कड़ी मेहनत करने, मन लगाकर पढ़ाई करने और रचनात्मक कौशल बेहतर बनाने का क्या मतलब। क्या यही वजह है कि हम जहां-तहां युवाओं को फोन से रील बनाते, अपने वीडियो अपलोड करते, यूट्यूब या इंस्टाग्राम पर अपनी मौजूदगी दर्ज करवाते और त्वरित लोकप्रियता एवं सफलता पाने की कोशिश करते देखते हैं? 'लाइक और सब्सक्राइब' — मानो यह हमारे जमाने का पसंदीदा मंत्र बन गया है!

ब्लड प्रेशर में फायदेमंद

बड़ी इलायची दिल के मरीजो के लिए काफी फायदेमंद हैं। इससे ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता हैं। अगर आप नियमित रूप से बड़ी इलायची का सेवन करेंगे तो आपका दिल हेल्दी रहेगा। यह खून के जमने की संभावना को भी काफी हद तक कम कर देता हैं। इलायची में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट बीपी के मरीजों को हेल्दी लेवल बनाए रखने में मदद करते हैं। इलायची फाइबर का भी अच्छा स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद कर सकता है।

मसालों की रानी होती है इलाइची

भारत में हजारों सालो से इलायची का उपयोग मसालो के रूप में किया जा रहा हैं। इलायची 2 तरह की होती हैं बड़ी और छोटी। छोटी इलायची मीठे पकवानों का स्वाद बढ़ाने का काम करती हैं। वहीं बड़ी इलायची नमकीन पकवानों के स्वाद को दुगुना करती हैं। बड़ी इलायची को काली इलायची, भूरी इलायची, लाल इलायची, नेपाली इलायची या बंगाली इलायची भी कहते हैं, इसके बीजो से कपूर जैसी सुगंध आती हैं। बड़ी इलायची छोटी इलायची से थोड़ी कम स्वादिष्ट होती हैं। यह आमतौर पर नमकीनी पकवानो में उपयोग की जाती हैं। भारत में यह सबसे ज्यादा पैदा होती हैं। भारत में पैदा की जाने वाली यह बड़ी इलायची सिर्फ एक मसाला भर नही हैं, बल्कि यह एक बढ़िया औषधि भी हैं। इसके इन्ही गुणों के कारण इसे मसालो की रानी भी कहा जाता हैं।

फेफड़े के लिए लाभदायक

बड़ी इलायची दमा के रोगियो और सांस संबंधित बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए खास करके के फायदेमंद हैं। इसके नियमित सेवन से अस्थमा, कुकुर खांसी, फेफड़े का सिकूड़ना, फेफड़े की सूजन और तपेदिक (टीबी) आदि रोगो से छुटकारा पाया जा सकता हैं।

पाचन करे दुरुस्त

बड़ी इलायची का शरीर के हाजमे पर बहुत ही अच्छा असर होता हैं। इसके सेवन से एसिडिटी की समस्या से छुटकारा मिलता हैं। इसके नियमित सेवन से गैस्ट्रिक अल्सर और दूसरी पाचन संबंधी बीमारियों का खतरा काफी कम हो जाता हैं। बड़ी एलाईच एंटी-ऑक्सिडेंट्स से भरपूर होता हैं। इसमे दो तरह के एंटी-ऑक्सिडेंट्स होते हैं, लेकिन खास तौर पर एंटी-कैंसर एंटी-ऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं। पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए इलायची वाला दूध का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि दूध और इलायची दोनों में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है। साथ ही पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है। दूध में विटामिंस, प्रोटीन, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। तो वहीं इलायची में विटामिन बी-6, प्रोटीन, फाइबर, आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम और नियासिन जैसे पोषक तत्व के गुण पाए जाते है, जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं।

दर्द में रामबाण

बड़ी इलायची में दर्द को दूर करने की अनोखी क्षमता पाई जाती हैं। विशेषकर, सिरदर्द में तो यह रामबाण की तरह काम करती हैं। इससे तैयार किए जाने वाले खुसबूदार तेल का इस्तेमाल करने से सिरदर्द, टेंशन और थकान जैसी समस्याएं दूर हो जाती हैं। रात को सोने से पहले 4-5 छोटी इलायची को कूचकर उसे एक ग्लास पानी में मिला दें। सुबह उठकर सबसे पहले ये पानी पियें। नियमित रूप से इसके सेवन करने से जोड़ों के दर्द की परेशानी से राहत मिलती है।

बालों को मजबूत बनाती है

बड़ी इलायची के सेवन से बाल काले, घने और मजबूत बन जाते हैं। इसमे मौजूद तत्वो के कारण बालो को पोषण मिलता हैं। बड़ी इलायची बालो को मजबूत बनाती हैं। बड़ी इलायची एक बेहतरीन डेटोक्स का भी काम करती हैं। यह शरीर से विषैले (जहरीले) तत्वो को बाहर निकाल कर शरीर को सेहतमंद बनाती हैं।

स्किन बनती है ग्लोयिंग

बड़ी इलायची के नियमित सेवन से स्किन चमकने लगती हैं। स्किन एलर्जी की समस्या में बड़ी इलायची अपने एंटी-बैक्टीरियल गुणों के कारण नेचुरल रेमेडी की तरह काम करती हैं। बड़ी इलायची में एंटी-सेपटिक और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इसमें 14 तरह के बैक्टीरिया को खत्म करने की शक्ति होती हैं। इसे खाने से बैक्टीरियल और वायरल इन्फेक्शन से बचाव होता हैं। हरी इलायची भी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होती है। इसे चेहरे पर लगाने से कई सारी समस्याएं दूर हो जाती हैं।

गुर्दे की बीमारी में राहत

बड़ी इलायची को यूरिनरी हेल्थ के लिए अच्छा माना जाता हैं। यह एक बेहतरीन डाइयुरेटिक भी हैं। इसके सेवन से ना सिर्फ़ यूरिनेशन सही रहता हैं, बल्कि किडनी से रिलेटेड बीमारिया भी दूर रहती हैं।

हंसना मना है

टीचर- टिल्लू तुम बताओ, बड़े होकर क्या बनोगे? टिल्लू, शरमाते हुए- दूल्हा, टीचर- अरे मेरा मतलब है, बड़े होकर क्या पाना चाहते हो? टिल्लू, शरमाते हुए- दुल्हन, टीचर- उफ्फोह, मुझे बताओ, बड़े होकर ऐसा क्या करोगे जो तुमने अभी तक नहीं किया? टिल्लू- जी शादी!

टीचर- घर की परिभाषा बताओ, टीटू- जो घर हौसले से बनाये जाते हैं उसे हाऊस कहते हैं, जिन घरों में होम-हवन होते हैं उन्हें होम कहते हैं, जिन घरों में हवा ज्यादा चलती है उन्हें हवेली कहते हैं, जिन घरों में दीवारों के भी कान होते हैं उन्हें मकान कहते हैं, जिन घरों के लोन के इंस्टॉलमेंट भरते-भरते आदमी लेट जाता है उन्हें फ्लैट कहते हैं, और जिन घरों में यह भी न पता हो कि बगल के घर में कौन रहता है उन्हें बंगला कहते हैं। टीटू को student of the year चुना गया।

संजू अपनी गर्लफ्रेंड के पिता से मिलने गया, लड़की का पिता- मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी, अपनी पूरी जिंदगी एक मूर्ख इंसान के साथ गुजारे, संजू- बस अंकल, इसीलिए तो मैं उसे यहां से ले जाने आया हूं, दे जूते दे चप्पल?

कहानी | जादूई शीशा

सालों पहले दुमका नगर में जेक नाम का एक बुरा लड़का रहता था। वह एक तरह का शैतान था। एक दिन उसने एक ऐसा जादुई शीशा बनाया, जिसमें सारी अच्छी चीजें बहुत छोटी और सभी बुरी व गंदी चीजें दस गुना बड़ी दिखती थीं। उसके इस जादुई शीशे में सुंदर शहर भी गंदे और डरावने दिखते थे। वहां के सुंदर लोग भी गंदे और डरावने लगते थे, क्योंकि उस आईने में उनकी छोटी-से-छोटी चोट भी बड़ी और खतरनाक दिखती थी। सभी खुद को इस तरह देखकर घबरा जाते थे। लोगों को घबराया हुआ देखकर उस शैतान लड़के को बहुत मजा आता था। वह अपने शीशे के इस जादू से बहुत खुश होता था। उसने शहर में अपने जैसे ही बुरे लोगों का एक समुदाय बना लिया था। वह पूरी दुनिया के अच्छे लोगों को उस शीशे में कैद करके अपने समुदाय में शामिल करने की कोशिश कर रहा था। ऐसा सोचकर वह रोज नए-नए शहर जाता और अच्छे लोगों को शीशा दिखाकर उन्हें कैद करके अपने शहर पहुंचा देता था। सभी जगहों पर जाकर उसने लोगों को शीशे में कैद कर लिया। अब ऐसा समय आ गया था कि कहीं भी कोई अच्छा इंसान ही नहीं बचा। सब उस शीशे में कैद हो चुके थे। अब उसके मन में हुआ कि क्यों न शीशे को स्वर्ग लोक ले जाकर परियों को कैद किया जाए। यह सोचते ही वह स्वर्ग लोक के लिए निकल गया। इस शीशे की खास बात यह थी कि ऊंचाई में यह हाथों से तेजी से छूट जाता था। इस कारण उसे वह ज्यादा ऊपर नहीं ले जाते थे, लेकिन आज वो किसी तरह इसे ऊंचाई पर ले गया। जैसे ही शीशा थोड़ी ऊंचाई पर पहुंचा वो उसके हाथों से फिसलकर जमीन पर गिर गया और उसके लाखों टुकड़े हो गए। ऐसा होने से उस शीशे का बुरा प्रभाव बहुत तेजी से फैलने लगा। उस कांच के कुछ टुकड़े धूल की तरह उड़ने लगे और दुनिया के हर कोने में पहुंच गए। जब वह शीशा धूल के साथ लोगों की आंखों में पहुंचा, तो उन्हें सब कुछ बुरा दिखने लगा। इस कांच के टुकड़े कुछ लोगों के दिल में भी लग गए। यह जिनके भी दिल में लगा, उनके अंदर कोई अच्छी भावना ही नहीं बची। दुनिया में इस तरह से बुराई को बढ़ता देख, वह शैतान लड़का बहुत खुश होने लगा। इस तरह दुनिया के कोने-कोने में उस कांच के टुकड़े उड़ रहे थे।

कहानी से सीख- बुराई बहुत तेजी से फैलती है, इसलिए इससे खुद को बचाकर रखना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें। आवश्यकताएं बढ़ेंगी। आर्थिक तंगी हो सकती है। कर्ज से बचें।

वृषभ

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। नेत्र पीड़ा की संभावना। कुछ लाभ। यात्रा के योग टलेंगे।

मिथुन

कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है।

कर्क

राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। विजय मिलेगी, गर्व न करें।

सिंह

चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कष्ट होंगे। खर्च बढ़ेंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। धनागम के अवसर बनेंगे।

कन्या

कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कुछ लाभ के आसार दिखेंगे।

तुला

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग हैं। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी।

वृश्चिक

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ होगा। रोग घेरेंगे। चिंताएं बढ़ेंगी। शत्रु शांत होंगे। विरोधी सक्रिय होंगे।

धनु

दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अकारण भय व्याप्त होगा।

मकर

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। मातृपक्ष से परेशानी होगी। दुर्घटना की संभावना।

कुम्भ

भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत होंगे। कष्ट-भय की संभावना, अस्वस्थता, आलस्य का अनुभव करेंगे।

मीन

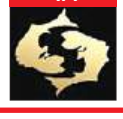

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शुभ समाचार की आशा बंधेगी। शत्रु षड्यंत्र रचेंगे। नम्रता बनाए रखें।

बॉलीवुड | मन की बात

एक थप्पड़ की वजह से लगा था कैरियर खत्म हो जायेगा : अक्षय

अक्षय कुमार फिलहाल रियलिटी शो व्हील ऑफ फार्च्यून होस्ट कर रहे हैं। शो के स्पेशल एपिसोड में अक्षय के साथ मंच पर अमन गुप्ता, अनुपम मित्तल और नमिता थापर मौजूद थे। इस बीच रैपिड-फायर सेगमेंट के दौरान अक्षय से सवाल पूछा गया कि उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा 'गजब बेइज्जती' वाला पल कौन सा था। इसके बाद जो अक्षय ने किस्सा सुनाया, उसे सुनकर तो वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। रैपिड फायर राउंड के दौरान अमन गुप्ता ने अक्षय कुमार से पूछा, 'आपकी सबसे गजब बेइज्जती वाला पल कौन सा रहा।' तब अक्षय ने कई साल पहले हुए एक किस्से को याद किया, जब वो अपने एक बेहद करीबी दोस्त के साथ एक बड़ी पार्टी में शामिल हुए थे। इस बीच वहां उनकी किसी से बहस हो गई और किसी ने उनके दोस्त को बार-बार गाली देना शुरू कर दिया। अक्षय ने कहा, 'उसने एक बार गाली दी, मैंने उसे मना किया। लेकिन वो फिर भी नहीं माना और मेरे मना करने के बावजूद गाली देता रहा। जिसके बाद मुझे गुस्सा आ गया और मैंने व्यक्ति को थप्पड़ मार दिया। जिसके बाद वो बेहोश हो गया। अक्षय ने कहा, 'वो बहुत बड़ी पार्टी थी...मेरा दोस्त सच में रोने लगा था। मुझे लगा कि मेरा करियर खत्म हो गया। हमने उस पर पानी डाला और मैं प्रार्थना कर रहा था कि उसे होश आ जाए। खुशकिस्मती से थोड़ी देर बाद वह व्यक्ति होश में आ गया। वो पल किसी चमत्कार से कम नहीं लगा। अगर आज ऐसा होता तो मैं कभी ऐसे रिएक्ट नहीं करता। मेरे लिए यही असली गजब बेइज्जती का पल था, ऐसा कुछ जिसे मैं बदलना चाहूंगा अगर कर सकूं। आज अगर ऐसा कुछ हुआ होता, तो मैं बस वहां से चला जाता।' बता दें, ये एपिसोड 16 फरवरी को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर और सोनी लिव पर स्ट्रीम होगा।

हॉलीवुड में बजेगा अब दीपिका पादुकोण का डंका!

वेब सीरीज द व्हाइट लोटस के सीजन 4 में मचायेंगी धमाल!

बॉलीवुड इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के लाखों चाहने वाले हैं। अक्सर हसीना की पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों की लाइफ चर्चा में बनी रहती है। दीपिका पादुकोण एक के बाद एक फिल्मों में धमाल मचाने के बाद अब ओटीटी की दुनिया में कदम रखने वाली है। हाल ही में हसीना का नाम एक वेब सीरीज के साथ जुड़ रहा है। ऐसे में चलिए हम आपको एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की अपकमिंग वेब सीरीज के बारे में बताते हैं। एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण एक बार फिर अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में आ गई हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी फिल्म नहीं बल्कि वेब सीरीज है। दीपिका पादुकोण जल्द ही एक वेब सीरीज में धमाल मचाने वाली हैं। Deccan Chronicle की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इस साल वेब सीरीज द व्हाइट लोटस के सीजन 4 में धमाल मचा सकती है। हालांकि अभी तक इस मामले में स्टूडियो की तरफ से कोई ऑफिशियल पुष्टि नहीं की गई है।

बीते महीने HBO ने सीजन 4 के नए किरदारों का ऐलान किया था। इस सीरीज में हैरी पॉटर की एक्ट्रेस हेलेना बॉनहैम कार्टर और क्रिस मेसीना शामिल हैं। सीरीज में स्टीव कूगन, कैलेबा जोंटे एडवर्ड्स, मरिसा लॉन्ग, अलेक्जेंडर लुडविग, एजे मिचाल्का और सैंड्रा बर्नहार्ड भी नजर आएंगे।

बता दें कि साल 2024 में दीपिका पादुकोण के द व्हाइट लोटस सीजन 3 में आने की खूब अफवाह सामने आई थीं। ये बात तब शुरू हुई थी जब रणवीर सिंह की मां ने एक पोस्ट लाइक किया था और लिखा था कि दीपिका पादुकोण इस अंतरराष्ट्रीय शो में नजर आएंगी। लेकिन बाद में एक्ट्रेस इस सीरीज में नजर नहीं आई थीं।

महाशिवरात्रि पर रिलीज हुआ नागबंधम का धांसू टीजर

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर अभिषेक नामा के निर्देशन में बनी माइथो-एक्शन फिल्म नागबंधम का मोस्ट अवेटेड टीजर रिलीज हो गया है। इस टीजर का फैंस को बेसब्री से इंतजार था। सुपरस्टार महेश बाबू ने रविवार 15 फरवरी को इस फिल्म का टीजर जारी किया, जिसे बहुत ही बड़े स्केल पर तैयार किया गया है। टीजर को देखने के बाद से ही फैंस की एक्साइटमेंट काफी ज्यादा बढ़ गई है और अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

नागबंधम विराट कर्णा स्टारर फिल्म है, टीजर रिलीज होने से पहले से ही सुर्खियों में बनी हुई है और अब टीजर ने आते ही सबकी एक्साइटमेंट काफी ज्यादा बढ़ा दी है। टीजर के बारे में बात करें तो प्रोड्यूसर किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी ने

इस फिल्म को काफी बड़े बजट और बड़े स्केल पर बनाया है। इसमें वर्ल्ड क्लास प्रोडक्शन वैल्यू की झलक साफ नजर आ रही है। टीजर की शुरुआत में आप देखेंगे कि हिमालय की रहस्यमय वादियों के बैकड्रॉप से होती है और धीरे-धीरे एक ऐसी दुनिया का दरवाजा खुलता है, जहां एक सदियों पुराना गहरा राज दफन है। जब एक इंसान अपने लालच के चलते इस ब्रह्मांडीय सच को उजागर करता है तो इंसान को जवाब देने के लिए नियति अपना योद्धा चुनती है।

नागबंधम की कहानी को लेकर अब तक सामने आई जानकारी के मुताबिक, ये फिल्म अब्दाली के ऐतिहासिक अफगान आक्रमण से प्रेरित है। फिल्म में इतिहास के साथ माइथोलॉजी और आध्यात्मिक युद्ध का अनोखा मेल देखने को मिलेगा। टीजर में आपको साफ देखने को मिलेगा कि फिल्म सांस्कृतिक विरोध और दैवीय सुरक्षा के बीच के टकराव को दिखाने वाली है, जिसे लेकर फैंस काफी उत्सुक हैं।

फिल्म के टीजर को रिलीज करते हुए मेकर्स ने लिखा ब्रह्मा की रचना से जन्मा। विष्णु के धर्म से सुरक्षित। महादेव के क्रोध से शक्ति प्राप्त। यह दमदार लाइन फिल्म में एक ऐसे हीरो की तरफ इशारा करती है, जो दिव्यता, नियति और विनाश का सामना करते की ताकत रखता है। बता दें कि टीजर के जारी होने के बाद से ही फिल्म की रिलीज डेट को लेकर काफी चर्चाएं तेज हो गई हैं।

अजब-गजब | ये है दुनिया की अजीबो-गरीब जगह

यहां दिन में पड़ती है भीषण गर्मी, पसीने से तर-ब-तर हो जाते हैं लोग, रात होते ही निकालनी पड़ती है रजाई!

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं जहां प्रकृति अपने सबसे अनोखे और चरम रूप में नजर आती है। ऐसी ही एक जगह है अफ्रीका के नामीबिया में स्थित नामीब रेगिस्तान। दुनिया का सबसे पुराना रेगिस्तान, जो करीब 55-80 मिलियन साल से सूखा पड़ा है। यहां दिन और रात का तापमान इतना अलग-अलग होता है कि लोग हैरान रह जाते हैं। दिन में भीषण गर्मी पड़ती है, जहां सैंड का तापमान 60 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाता है, लोग पसीने से तर-ब-तर होकर थक जाते हैं। लेकिन जैसे ही रात होती है, तापमान तेजी से गिरकर शून्य से नीचे चला जाता है और लोग रजाई या मोटे कंबल निकालकर ठंड से बचते हैं।

नामीब रेगिस्तान का खास फीचर है इसका अटलांटिक महासागर से मिलना। पश्चिम में ठंडी बेंगुएला करंट बहती है, जो कोहरे और कम बादलों का कारण बनती है। कोस्टल एरिया में दिन का तापमान 9-20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है, लेकिन इनलैंड में गर्मी 45 डिग्री से ज्यादा और कभी-कभी 50 डिग्री तक पहुंच जाती है। रात में इनलैंड में तापमान फ्रीजिंग पॉइंट से नीचे गिर जाता है, यहां तक कि बर्फ भी पड़ सकती है। ड्यून्स और अन्य रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ इलाकों में सालाना बारिश सिर्फ 2 मिलीमीटर होती है, जो इसे दुनिया के सबसे सूखे इलाकों में से एक बनाता है। इस रेगिस्तान का सबसे खतरनाक और खूबसूरत हिस्सा है 'स्केलेटन कोस्ट' जिसे पुर्तगाली नाविकों ने 'द गेट्स ऑफ हेल' या 'नर्क का द्वार' कहा था। यहां हजारों जहाज तबाह हो चुके हैं, क्योंकि तेज हवाएं, कोहरा और रेत के टीले जहाजों को फंसा लेते हैं। समुद्र तट पर बिखरे जहाजों के मलबे और व्हेल की हड्डियां 'स्केलेटन' नाम का कारण बने। दिन में यहां गर्मी इतनी तेज होती है कि लोग पानी की कमी से जूझते हैं, लेकिन रात में ठंड इतनी कि कंबल या रजाई के बिना सोना मुश्किल होता है। नामीब में जीवन भी अनोखा है। यहां वेलविचिया पौधा 2000 साल तक जीवित रह सकता है, फॉग से पानी इकट्ठा करता है। ओरिक्स, जैकल जैसे जानवर दिन में छिपते हैं और रात में एक्टिव होते हैं।

पर्यटक सॉससव्लेई के रेड ड्यून्स देखने आते हैं, जहां सुबह ठंडी हवा में चढ़ाई करते हैं, लेकिन दोपहर में गर्मी से बचने के लिए जल्दी वापस लौटते हैं। यह जगह खूबसूरत होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी है। ट्रैवलर्स को लेयर वाली कपड़े, पानी और वार्म क्लोदिंग साथ रखनी पड़ती है। मई से अक्टूबर का समय घूमने के लिए बेस्ट माना जाता है, जब दिन ठंडे और रातें ठंडी लेकिन मैनेजेबल होती है। लेकिन गर्मियों में (नवंबर-मार्च) दिन की गर्मी 30-40 डिग्री तक रहती है और रातें भी ज्यादा ठंडी नहीं होती।

इस मजार में रहता है मगरमच्छों का खानदान, खाता है मिठाइयां

सोशल मीडिया पर इन दिनों पाकिस्तान के कराची में स्थित मंगोपिर मजार की तस्वीरें और वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। इस मजार में एक झील है, जिसमें 200 से ज्यादा मगरमच्छ रहते हैं। ये मगरमच्छ इतने शांत हैं कि श्रद्धालु इन्हें हाथ से खाना खिलाते हैं। ये मगरमच्छ मिठाइयां, मीट, अंडे और चावल खाते हैं। कई मगरमच्छ 100 साल से ज्यादा पुराने बताए जाते हैं। लोग इन्हें 'बाबा फरीद के जुओं' से जोड़कर देखते हैं। क्या है इस अनोखी जगह की पूरी कहानी? मंगोपिर मजार 13वीं सदी के सूफी संत पीर मंगो (जिन्हें साकी सुल्तान भी कहा जाता है) की दरगाह है। ये कराची के गडाप टाउन में स्थित है, जो शहर के सबसे पुराने इलाकों में से एक है। पीर मंगो बाबा फरीद गंज शकर (1173-1266) के शिष्य थे। बाबा फरीद चिश्ती सिलसिले के महान संत थे। कहानी के मुताबिक, पीर मंगो पहले हिंदू डाकू मंगो वासा थे, जो कारवां लूटते थे। एक बार उन्होंने बाबा फरीद को लूटने की कोशिश की, लेकिन बाबा की दिव्यता से प्रभावित होकर उन्होंने इस्लाम कबूल कर लिया और सूफी बन गए। बाबा फरीद ने उन्हें यहां भेजा और इलाके में सूफीवाद फैलाने को कहा। मगरमच्छों की कहानी और भी रोचक है। एक लोकप्रिय मान्यता के अनुसार, ये मगरमच्छ बाबा फरीद की जुओं से बने हैं। जब बाबा फरीद ने पीर मंगो को आशीर्वाद दिया, तो उनकी जुएं झील में डाली गईं और चमत्कार से मगरमच्छ बन गईं। ये मगरमच्छ पीर मंगो के शिष्य माने जाते हैं और दरगाह की रक्षा करते हैं। एक अन्य कथा में कहा जाता है कि लाल शाहबाज कलंदर ने यहां गर्म पानी के झरने दिए और जुएं मगरमच्छ बन गईं। कुछ इतिहासकार कहते हैं कि ये मगरमच्छ प्राचीन बाढ़ से यहां आए और सदियों से हैं। झील में मार्श क्रोकोडाइल्स हैं, जो पाकिस्तान में बाहर विलुप्ति के कगार पर हैं, लेकिन यहां सुरक्षित हैं। श्रद्धालु इन्हें 'मुबारक' मानते हैं। लोग दूर-दूर से आते हैं, फतेहा पढ़ते हैं और मगरमच्छों को खाना चढ़ाते हैं। मान्यता है कि अगर मगरमच्छ खाना स्वीकार कर ले, तो मनोकामना पूरी होती है। यहां गर्म सल्फर स्प्रिंग्स भी हैं, जिन्हें त्वचा रोगों के इलाज के लिए चमत्कारी माना जाता है। लोग इनमें नहाते हैं। मजार पर शीदी मेला भी लगता है, जहां अफ्रीकी मूल के लोग धम्मल नाचते हैं। ये जगह सूफी संस्कृति और चमत्कारों का मिलन है। केयरटेकर खलीफा सज्जाद जैसे लोग बताते हैं कि मगरमच्छ कभी हमला नहीं करते, क्योंकि ये पवित्र हैं। वैज्ञानिक नजरिए से, ये मगरमच्छ सदियों से यहां हैं, क्योंकि इलाका गर्म और पानी उपलब्ध है। लेकिन लोककथाएं ज्यादा लोकप्रिय हैं।

महाराष्ट्र में फिर सियासत गरमाई

टीपू सुल्तान व शिवाजी पर कोहराम

» सामना के लेख के माध्यम से शिवसेना यूबिटी ने भाजपा व कांग्रेस को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में एकबार फिर राजनीतिक हवाएं इस समय टीपू सुल्तान व शिवाजी के इर्द-गिर्द घूमने लगीं हैं। शिवसेना यूबिटी ने अपने मुखपत्र 'सामना' में लेख से टीपू सुल्तान को लेकर छिड़े विवाद पर बीजेपी के साथ साथ कांग्रेस को भी घेर लिया है। मामला मालेगांव महानगरपालिका के डिप्टी मेयर कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाने से शुरू हुआ, जिसके बाद बयानबाजी तेज हो गई। वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से कर के विवाद को और गरमाया दिया है।

संपादकीय में लिखा गया कि औरंगजेब और अफजल खान की तरह मैसूर के टीपू सुल्तान को फिर से कब्र से बाहर निकाला जा रहा है. मालेगांव के 'शान-ए-हिंद' हॉल में तस्वीर लगाए जाने पर विवाद खड़ा हुआ, हालांकि बाद में तस्वीर हटा दी गई. इसके बावजूद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप जारी रहे। सामना ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने इस मुद्दे को हिंदू-मुस्लिम रंग दिया। वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के उस बयान की भी आलोचना की गई, जिसमें उन्होंने टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से की थी। संपादकीय में कहा गया कि यह तुलना असंगत और अनुचित है।(संपादकीय में टीपू सुल्तान के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा गया, टीपू सुल्तान कौन था, वह क्या था? इस इतिहास पर चर्चा करने का कोई फायदा नहीं, वह मैसूर का राजा था, उसके पिता हैदर अली भी राजा थे। उसने अंग्रेजों से युद्ध किया। वह एक योद्धा था, लेकिन वह अपने राज्य और साम्राज्य को बचाने के लिए युद्ध लड़ रहा था। छत्रपति शिवाजी महाराज ऐसे नहीं थे। छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगल आक्रमण को रोकने के लिए हिंदवी स्वराज की शून्य से स्थापना की। उन्होंने अपना राज बनाया टीपू को यह राज्य विरासत में मिला, छत्रपति ने स्वराज के शत्रुओं को इसी मिट्टी में दफना दिया, 4 मई 1799 को श्रीरंगपट्टनम के युद्ध में उनकी मृत्यु हुइ। कुछ इतिहासकार उन्हें अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करने वाला पहला स्वतंत्रता सेनानी मानते हैं।

टीपू को लेकर इतना अक्रोश है तो पाकिस्तान के साथ क्रिकेट पर चुप्पी क्यों

संपादकीय में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और बीजेपी की प्रतिक्रि या का उल्लेख करते हुए कहा गया, उन्होंने कांग्रेस की कड़ी आलोचना की। साथ ही सामना ने सवाल उठाया कि अगर टीपू को लेकर इतना अक्रोश है तो पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच पर चुप्पी क्यों है. लेख में बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा गया कि यह सच है कि भाजपा के लोग टीपू सुल्तान के नाम से अपनी सहूलियत के अनुसार खुश या नाराज होते हैं। इसी टीपू सुल्तान को पाकिस्तान में 'नायक' माना जाता है और उसी पाकिस्तान के साथ भारत क्रिकेट मैच खेल रहा है, लेकिन आश्चर्य की बात है कि फडणवीस व बीजेपी को यह निंदनीय नहीं लगता।

संघ के आय के स्रोत की जांच की जाए : प्रियांक

» कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने देशभक्ति पर भी उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक सरकार के कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रियंक खरगे ने आरएसएस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उन पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। खरगे ने आरएसएस की कार्यप्रणाली, उनकी देशभक्ति और विशेष रूप से उनके वित्तीय लेन-देन पर सवाल खड़े किए। कर्नाटक के मंत्री ने राष्ट्रीय आरएसएस पर 'धन शोधन' में लिप्त होने का आरोप लगाया और इसकी आय के स्रोत पर भी सवाल उठाया। प्रियंक ने कहा कि वह चाहते हैं कि देश में सभी पर लागू होने वाला कानून और संविधान आरएसएस पर भी लागू हो। उन्होंने कहा, आरएसएस ने 52 वर्षों तक अपने कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया और हमें वे देशभक्ति का पाठ पढ़ाते है।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, आरएसएस के पास 2,500 से अधिक संगठनों का नेटवर्क है, ये अमेरिका और इंग्लैंड से हैं। ये उनसे पैसे लेते हैं और मैं बता रहा हूं कि ये लोग धन शोधन में शामिल हैं। आरएसएस को पैसा कहां से मिल रहा है और कैसे मिल रहा है, इस सवाल पर कांग्रेस नेता ने कहा, वे चाहते हैं कि हम अच्छे नागरिक बनें, आयकर दें, लेकिन वे खुद स्वतंत्र रहना चाहते हैं। यह कैसे संभव है? हमें इस पर सवाल उठाना होगा। प्रियंक के इस बयान से कर्नाटक सहित राष्ट्रीय राजनीति में एक नया विवाद खड़ा होने की संभावना है। जहां कांग्रेस अक्सर आरएसएस की विचारधारा पर हमला करती रही है, वहीं मनी लॉन्ड्रिंग जैसे सीधे वित्तीय आरोप इस टकराव को एक नए स्तर पर ले गए हैं। अब देखना यह होगा कि भाजपा और आरएसएस इन आरोपों पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

राहुल को संसद चलाने में रूचि नहीं: रिजिजू

» कहा- कांग्रेस हताश है, क्योंकि पार्टी लगातार चुनाव हार रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक बार फिर एनजीओ का हवाला देते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को घेरा है। रिजिजू ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता संसद के सुचारू संचालन में रुचि नहीं रखते। इतना ही नहीं रिजिजू ने अपने बयान में कहा कि कुछ गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने उन्हें सिखाया है कि उनकी पार्टी के लिए अच्छे दिन आएंगे और इसीलिए वे सदन को बाधित कर रहे हैं। किरेन रिजिजू ने यह भी कहा कि सरकार संसद में स्थिति को शांत करने के लिए कांग्रेस को लेकर कोई और अतिरिक्त कदम नहीं उठाने जा रही है, क्योंकि उन्होंने सदन के सुचारू रूप से चलने के लिए कई प्रयास किए थे, लेकिन वे व्यर्थ रहे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस हताश है, क्योंकि पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। वे स्थिति को बदलने के लिए बेताब हैं। रिजिजू ने कहा कि एनडीए को विपक्ष के सदन को बाधित करने से कोई समस्या नहीं है, क्योंकि उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल और कुछ अन्य लोगों से बात करने सहित स्थिति को शांत करने के कई प्रयास किए थे। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि संसद में छोटी पार्टियों द्वारा कांग्रेस पर सदन को बाधित न करने का दबाव था।

बंगाल में अधिकारियों के निलंबन पर बवाल

» चुनाव आयोग ने सात अधिकारियों पर लगाया गंभीर कदाचार के आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में चुनावी तैयारियों के बीच एक कड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। निर्वाचन आयोग ने चुनाव संबंधी विधिक प्रावधान के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए पश्चिम बंगाल में सात अधिकारियों पर गंभीर कदाचार, कर्तव्य में लापरवाही और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े वैधानिक अधिकारों के दुरुपयोग के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

ये सभी अधिकारी निर्वाचन आयोग के लिए सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। इस निलंबन के बाद सियासी बवाल मच गया है। टीमएमसी ने इसके लिए भाजपा को आड़े हाथों लिया है। बूथ स्तरीय अधिकारी, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और उनके सहायक राज्य सरकार के कर्मचारी होते हैं, जो मतदाता सूची अद्यतन करने और चुनाव कराने में सहायता के लिए प्रतिनियुक्ति पर काम करते हैं।आदेशों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को निर्देश दिया है कि संबंधित अधिकारी अपने-अपने विभाग के जरिए इन अधिकारियों के खिलाफ तुरंत अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करें और इसकी जानकारी आयोग को दें। निर्वाचन आयोग और बंगाल सरकार के बीच मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर पहले से ही टकराव की स्थिति बनी हुई है।

टीएमसी व भाजपा में वार-पलटवार

आयोग और राज्य सरकार के बीच टकराव

यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब निर्वाचन आयोग और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर पहले से ही तनाव की स्थिति बनी हुई है। आयोग का यह कड़ा रुख दर्शाता है कि मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता के मामले में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एक मासूम की गड्ढे में डूबकर मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में एक मासूम की लापरवाही के गड्ढे में डूबकर मौत हो गई। एक ही महीने पहले नोएडा में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता फिर दिल्ली में कमल और अब ग्रेटर नोएडा में लापरवाही के गड्ढे का शिकार तीन साल का मासूम देवांश हो गया।

दलेलगढ़ में वह अपने मामा के घर धार्मिक अनुष्ठान में आया था। दोपहर खेलते-खेलते छह से सात फीट गहरे गड्ढे में गिर गया। ग्रामीणों का आरोप है कि पशुचर भूमि पर यह गड्ढा है। ग्रेनो प्राधिकरण से इसकी तारबंदी कराने के लिए शिकायत कई बार की गई थी लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की है। प्राधिकरण का दावा है कि यह जमीन किसान की है। गांव में डालेश्वर बाबा की समाधि पर अंजली के भाई देवेंद्र ने 41 दिन का धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया था।

टी20 में भारत ने पाक पर लगाया जीत का छक्का

» कोलंबो में भारतीय टीम ने 61 रन से रौंदा, ईशान किशन का तूफानी अर्धशतक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलंबो। भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से हरा दिया। टी20 विश्व कप का रोमांचक मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। टॉस जीतकर पाकिस्तान ने भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। ईशान किशन की तूफानी अर्धशतकीय पारी (77) की मदद से टीम इंडिया ने 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 10 विकेट पर 114 रन ही बना पाई। मौजूदा टूर्नामेंट में यह भारत की लगातार तीसरी जीत है। वहीं, इस जीत के साथ सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली टीम ग्रुप ए की अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए सुपर-8 में पहुंच गई।

पाकिस्तान 18 ओवर में 114 रन पर आलआउट

भारत की ओर से तिलक वर्मा (25), शिवम दुबे (27) और कप्तान सूर्या कु मार यादव ने 32 रन का अहम योगदान दिया। वहीं रिंकू सिंह की चार गेंद पर 11 रन की पारी ने भारत के स्कोर को 175 तक पहुंचाया। वहीं 176 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत झटके के साथ हुई। शुरुआती दो ओवरों में ही उनके तीन विकेट गिर गए। पहले ओवर में हार्दिक पांड्या ने साहिबजादा फरहान को रिंकू सिंह के हाथों कैच कराया। वह खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद पारी का दूसरा ओवर फेंकने आए बुमराह ने सईम अयूब (6) और कप्तान सलमान अली आगा (4) को पवेलियन की राह दिखाई। पाकिस्तान के लिए इस मैच में उस्मान खान ने सर्वाधिक 44 रनों की पारी खेली जबकि सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाए। भारत के लिए हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट लिए जबकि कुलदीप यादव और तिलक वर्मा ने एक-एक सफलता हासिल की।

सूर्यकुमार यादव ने फिर नहीं मिलाया पाक कप्तान से हाथ

भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच में नो हैंडशेक नीति बरकरार रखी है। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के दौरान पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाए। भारत ने पिछले साल एशिया कप से ही घिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ यह नीति रखी है जिसे विश्वकप में भी जारी रखा है। इस बात को लेकर काफी चर्चा थी कि भारतीय टीम का रुख क्या होगा। भारतीय कप्तान ने टॉस के दौरान सलमान आगा से हाथ नहीं मिलाए। यह तय माना जा रहा था कि भारत नो हैंडशेक की नीति जारी रखेगा और उम्मीद के अनुरूप सलमान को नजरअंदाज किया। भारत ने एक बार फिर अपनी नीति स्पष्ट रखी है कि वो सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी टूर्नामेंट का मुकाबला खेलेगा।

मोदी सरकार भारतीय किसानों के साथ कर रही है विश्वासघात : राहुल गांधी

» भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर फिर भड़के नेता प्रतिपक्ष

» बोले कांग्रेस सांसद- भारतीय दूध उत्पादन अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर फिर केंद्र की एनडीए सरकारव भाजपा पर करारा वार किया। कांग्रेस सांसद ने इसे किसानों के साथ विश्वासघात बताते हुए सरकार की आलोचना की है, जिसमें अमेरिकी जीएम मक्का आधारित डीडीजी और सोयाबीन तेल के आयात पर सवाल उठाए गए हैं।

उन्होंने चिंता जताई कि इससे भारतीय दूध उत्पादन अमेरिकी कृषि पर निर्भर हो सकता है और घरेलू किसानों को भारी नुकसान होगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के ढांचे को लेकर केंद्र सरकार पर अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि इस समझौते के नाम

पर भारतीय किसानों के साथ विश्वासघात हो रहा है। एक पोस्ट में गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका से डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स (डीडीजी) फसलों के आयात का मतलब पूछा। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह होगा कि भारतीय पशुओं को आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) अमेरिकी मक्का से बना डिस्टिलर्स ग्रेन खिलाया जाएगा, और सवाल उठाया कि क्या इससे भारतीय दूध उत्पादन अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर हो जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि अगर हम आनुवंशिक रूप से संशोधित सोयाबीन तेल के आयात की अनुमति देते हैं, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र राजस्थान और पूरे देश के हमारे सोयाबीन किसानों का क्या होगा? वे एक और मूल्य वृद्धि का सामना कैसे करेंगे? जब आप अतिरिक्त उत्पाद कहते हैं, तो वास्तव में इसमें क्या शामिल है? क्या यह इस बात का संकेत है कि समय के साथ दालों और अन्य फसलों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने का दबाव पड़ेगा? गांधी ने यह भी सवाल उठाया कि क्या भारत पर आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों पर अपना रुख नरम करने का कोई दबाव पड़ेगा, और कहा कि भारतीय किसानों को इन सवालों के स्पष्ट जवाब पाने का अधिकार है।

भारतीय सोयाबीन किसानों पर पड़ेगा दबाव

कांग्रेस सांसद ने आगे इस बात पर जोर दिया कि अगर अमेरिका से आनुवंशिक रूप से संशोधित सोयाबीन तेल के आयात की अनुमति दी जाती है, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र राजस्थान और पूरे देश के भारतीय सोयाबीन किसानों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? उन्होंने अतिरिक्त उत्पाद शब्द का अर्थ भी स्पष्ट करते हुए पूछा कि क्या यह इस बात का संकेत है कि समय के साथ भारत पर दालों और अन्य फसलों के बाजारों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने का दबाव पड़ेगा?

तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनाव में जीत कांग्रेस की नीतियों की जनमंजूरी

तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को मिली बड़ी जीत को लेकर पार्टी ने इसे राज्य सरकार की जनहित वाली नीतियों की मंजूरी बताया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह नतीजा साफ दिखाता है कि जनता ने सामाजिक न्याय, सम्मान और सबको साथ लेकर विकास की सोच को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि यह जीत सीधे तौर पर लोगों के भरोसे की जीत है। राहुल गांधी ने चुनाव नतीजों के बाद बयान जारी कर कहा कि तेलंगाना निकाय चुनाव में जीत कांग्रेस सरकार की पीपल-फर्स्ट यानी जनता को प्राथमिकता देने वाली नीतियों की पुष्टि है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य प्रजाला तेलंगाना बनाना है, जहां विकास का लाभ हर परिवार तक पहुंचे। राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह जीत जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं और राज्य की जनता की है।

अबू सलेम को सुप्रीम कोर्ट से फटकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गैंगस्टर अबू सलेम को बड़ा झटका लगा है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने 1993 के मुंबई बम धमाकों के मामले में उसकी रिहाई की याचिका खारिज कर दी है। अदालत के इस फैसले का मतलब है कि सलेम कानूनी कार्यवाही जारी रहने तक हिरासत में ही रहेगा। 4 नवंबर, 1993 को मुंबई बम विस्फोट मामले में मुंबई पुलिस द्वारा दायर पहली चार्जशीट में अबू सलेम, या अबू सलेम अब्दुल कयूम अंसारी, को एक फरार आरोपी के रूप में नामित किया गया था।

» शीर्ष अदालत ने रिहाई की खारिज की याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका सुनने से मना करते हुए कहा कि नासिक जेल से मिले दस्तावेज के हिसाब से हाईकोर्ट मामला सुनेगा। हाई कोर्ट को जल्द सुनवाई का निर्देश देने से मना करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अबू सलेम से कहा, आपको टाडा के तहत सजा मिली है, समाज का कोई भला करने के लिए नहीं। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच मामले पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने अबू सलेम के वकील ऋषि मल्होत्रा से पूछा कि वह हाई कोर्ट के किस आदेश के खिलाफ कोर्ट आए हैं। वकील ने जवाब दिया कि हाई कोर्ट कहता है कि प्रथम दृष्टया 25 साल नहीं हुए हैं, जिस पर बेंच ने उनसे कहा कि यह प्रथम दृष्टया निष्कर्ष है, उसके लिए हाई कोर्ट में आवेदन दें। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह अंतरिम जमानत के लिए हाई कोर्ट में अपील करें।

राजस्थान : केमिकल फैक्ट्री में लगी आग सात मजदूर जिंदा जले

» फैक्टरी में मची चीख-पुकार बचाव कार्य जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भिवाड़ी। राजस्थान के भिवाड़ी स्थित खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक एक निजी औद्योगिक इकाई में लगी आग में करीब सात श्रमिकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के प्लॉट जी-1-118 बी में सोमवार सुबह अचानक आग भड़क उठी। सुबह 9 बजकर 22 मिनट पर पुलिस कंट्रोल रूम से रीको फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि आग ने कुछ ही मिनटों में भयानक रूप ले लिया और पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेज थी कि अंदर काम कर रहे श्रमिकों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार आग में झुलसकर करीब छह श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। राहत और बचाव टीम को अंदर से जो शव मिले, वे बुरी तरह जले हुए थे। कुछ शव इतने अधिक झुलस चुके थे कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। मृतकों की पहचान करने की कोशिश जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन के अधिकारी, दमकल विभाग की कई गाड़ियां, बचाव दल और मेडिकल टीमें मौके पर पहुंच गईं। पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया और आग पर काबू पाने के साथ अंदर फंसे लोगों को निकालने का अभियान चलाया गया। अधिकारियों के अनुसार दो लोग अंदर फंसे होने की आशंका है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

सबरीमाला रिव्यू पिटीशन 7 अप्रैल से रेगुलर सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सबरीमाला मंदिर में सभी उम्र की महिलाओं को प्रवेश देने वाले फैसले पर रिव्यू करेगा। इस फैसले के खिलाफ 67 रिव्यू पिटीशन फाइल की गई थी. सर्वोच्च अदालत 7 अप्रैल से इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। 9 जजों की संविधान पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत 9 जजों की बेंच का गठन करेंगे।

केंद्र सरकार ने भी अदालत में दलील दी है और कहा कि वो पुनर्विचार याचिकाओं का समर्थन करते हैं। इस मामले में शीर्ष अदालत ने वरिष्ठ वकील के परमेश्वर को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया है। 22 अप्रैल तक सबरीमाला मामले की सुनवाई पूरी हो जाएगी। सर्वोच्च अदालत की 9 जजों की पीठ 7 अप्रैल को सुबह साढ़े 10 बजे से रोजाना इस मामले की सुनवाई शुरू करेग। पहले पुनर्विचार का समर्थन करने वाले पक्ष की दलीलें 7 से 9 अप्रैल तक सुनी जाएंगी। जबकि पुनर्विचार का विरोध करने वाले पक्ष को 14 से 16 अप्रैल तक सुना जाएगा।

मणिशंकर अय्यर के बयान से मचा घमासान

केरल चुनाव से पहले विजयन को बता दिया अगला सीएम, अय्यर की टिप्पणी से कांग्रेस असहज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने विश्वास जताया है कि पिनारयी विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब कांग्रेस पार्टी राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी है। अय्यर ने यह टिप्पणी विजन 2031विकास और लोकतंत्र शीर्षक वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए की, जिसका उद्घाटन स्वयं मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने किया।

संबोधन में अय्यर ने विजयन की प्रशंसा की और सुझाव दिया कि पंचायती राज व्यवस्था में केरल की स्थिति को मजबूत करने के लिए संशोधन किए जाने चाहिए। उन्होंने

इस बात पर भी सुझाव दिए कि राज्य स्थानीय प्रशासन में अपनी अग्रणी भूमिका को कानूनी रूप से कैसे सुरक्षित कर सकता है। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में जो मुझे पूरा विश्वास है कि अगले मुख्यमंत्री होंगे, मैं अपनी इस अपील को दोहराता हूँ कि केरल को देश का सर्वश्रेष्ठ पंचायती राज राज्य बनाने के लिए, व्यावहारिक अनुभव, थॉमस आइज़ैक की अंतर्दृष्टि, मेरे द्वारा अध्यक्षता की गई पाँच खंडों वाली रिपोर्ट और वी.के. रामचंद्रन द्वारा जिला नियोजन पर योजना आयोग द्वारा प्रसारित नोट के आधार पर राज्य कानूनों में संशोधन किया जाना चाहिए, जब आयोग ने वास्तव में पंचायती राज का समर्थन किया था।

अय्यर अब पार्टी के सदस्य नहीं : उदित राज

इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता उदित राज ने इसे अप्रासंगिक बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि अय्यर अब पार्टी के सदस्य नहीं हैं। उन्होंने कहा, मणि शंकर अय्यर कौन हैं? मैं मणि शंकर अय्यर को नहीं जानता। मुझे पता है कि एक समय वे कांग्रेस में थे और एक वरिष्ठ नेता थे, उनका बहुत सम्मान किया जाता है।

विधानमंडल में सपा के सवालों से घिरी भाजपा सरकार

कई मुद्दों पर विपक्ष ने मांगा जवाब, कर्मचारी, शिक्षा से लेकर बेहतर इलाज पर चर्चा, डिप्टी सीएम ने संभाला मोर्चा

» पांच दिन चलेगी बजट पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल में आज से वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर चर्चा शुरू होगी। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना पहले विधायकों को बजट पर बोलने का मौका देंगे। यह चर्चा पांच दिन चलेगी। उधर आज कई मुद्दों पर सपा ने सरकार को सवाल किए।

सपा ने आउटसोर्सिंग के कर्मचारियों की बात उठाई तो इसके जवाब में ब्रजेश पाठक ने कहा कि भूतपूर्व सैनिक निगम को सिक्योरिटी का जिम्मा दिया जा रहा है। जो आउटसोर्स कर्मी खाली हुए हैं, उनके लिए कुछ न कुछ व्यवस्था की जाएगी।

दवाओं की उपलब्धता और वितरण कैसे बेहतर होगी : पप्पू

सपा विधायक पप्पू ने सवाल उठाया कि अस्पतालों में कैंसर की दवाएं नहीं हैं। आजमगढ़ में मेडिकल कालेज में दवाएं नहीं हैं। डॉक्टर बाहर की दवाएं लिखते हैं। सरकार दवाओं की उपलब्धता और वितरण कैसे बेहतर बनाएगी? इसके जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने सबसे पहले प्रदेशवासियों से अपील की है कि सभी लोग एक बेहतर दिनचर्या का पालन करें। मोबाइल चलाते हुए रातभर जगे नहीं। स्पोर्टस एक्टिविटी बढ़ाएं। एक्सरसाइज करें। ऐसे तरल पदार्थों का सेवन बिल्कुल न करें, जो शरीर के लिए ठीक न हो। अस्पतालों में कैंसर जांच, हाई के मरीजों के लिए इलाज उपलब्ध है।

सदन में उठा कैंसर से हो रही मौतों का मुद्दा

सपा से विधायक इंजीनियर सचिन ने कैंसर से हो रही मौतों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि तीन हजार से ज्यादा डेथ कैंसर से हो रही हैं। वहीं दो हजार से ज्यादा लोग हार्ड अटैक से खत्म हो रहे। वैक्सीनेशन के बाद साइड इफेक्ट के रिसर्च के लिए कोई बजट नहीं है। प्रदेश में मिलावटी खाना खूब खा जा रहा। इन सबकी रोकथाम के लिए सरकार क्या पालिसी बनाएगी? इसके जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि चित्रकूट में हमने 200 बेड का एक नया अस्पताल बनाया है। जहां, पूरी तरह सुविधाएं दी जा रही हैं। हमारी लिस्ट में मेडिकल कॉलेज भी है। हम लगातार MBBS, MCH की सीटें बढ़ा रहे हैं। हर जिले में मेडिकल कॉलेज हो, यह सोच लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं।

आंगनबाड़ी केंद्रों के जर्जर भवनों पर उठे सवाल

सपा विधायक ने पूछा कि चित्रकूट में मेडिकल कॉलेज बनेगा? इसके लिए हमारे जिले के लोगों ने खून से तक पत्र लिखा, लेकिन इस पर कुछ नहीं होगा? वहां पर स्वास्थ्य सुविधाओं का बुरा हाल है। इसके जवाब में संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि आज शिशु मृत्यु दर 2023 में 37 रह गई है। वहीं मातृ मृत्यु दर पहले 1 लाख पर 167 थी, अब 141 रह गई है। अ सपा विधायक ने सहारनपुर में आंगनबाड़ी केंद्रों के जर्जर भवनों समेत प्रदेश में पुष्टाहार को लेकर सवाल खड़े किए? कुपोषित बच्चों पर कितना सुधार हुआ?

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा